दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
सिद्धार्थनगर
शनिवार, 27 सितंबर 2025
वर्ष: 12 अंक : 287 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सनी लियोनी ने की भारत की पहली ...8

एससी का ग्रीन पटाखों पर शर्तों भरा फैसला

एनसीआर में बनेंगे पर बिकेंगे नहीं, क्या रुकेगी बिक्री?

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में हरित पटाखों के निर्माण की अनुमति दे दी, बशर्ते कि इन्हें एनसीआर में नहीं बेचा जाएगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने नीरी और पेसो से परमिट प्राप्त प्रमाणित हरित पटाखों के निर्माताओं को दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखे बनाने की अनुमति दे दी, बशर्ते कि इन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नहीं बेचा जाएगा। कोर्ट ने कहा कि हम उन निर्माताओं को निर्माण की अनुमति देते हैं जिनके पास नीरी और पेसो टीमों द्वारा प्रमाणित हरित पटाखे हैं। हालांकि, इसके लिए निर्माताओं को इस न्यायालय के समक्ष यह वचन देना होगा कि इस न्यायालय द्वारा पारित अगले आदेश तक, वे निषिद्ध क्षेत्रों में अपने कोई भी पटाखे नहीं बेचेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया और मामले की सुनवाई 8 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने केंद्र को सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

(एनसीआर) में पटाखों के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध को संशोधित करने का प्रस्ताव लाने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक और आदर्श नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा कि यह अनुभव किया गया है कि पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद प्रतिबंध लागू नहीं किया जा सका। पीठ ने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध के कारण अवैध खनन माफियाओं का उदय हुआ है। पीठ ने कहा कि एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसलिए, पीठ ने केंद्र से दिल्ली सरकार, पटाखा निर्माताओं और विक्रेताओं सहित सभी हितधारकों को शामिल करने के बाद एक समाधान के साथ आने को कहा। सुनवाई के दौरान, मामले में न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने अदालत को बताया कि पटाखों पर उनके निर्माण सहित, पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि एनसीआर में निर्माण की अनुमति देने से अंततः प्रतिबंधित क्षेत्रों में उनकी बिक्री और उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। निर्माताओं की ओर से पेश वकीलों ने अदालत से अनुरोध किया कि सख्त शर्तों के साथ निर्माण की अनुमति दी जाए और वे वेबसाइटों पर मात्रा की घोषणा कर सकें और सभी आवश्यक घोषणाएं कर सकें।

नीतीश का लालू पर सीधा हमला: पद से हटने पर बीवी को सीएम बनाया, उन्हें परिवार की चिंता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राजद नेता लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला और कहा कि उन्हें सिर्फ अपने परिवार की चिंता है, बिहार की जनता की नहीं। लालू यादव का नाम लिए बिना नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने पद से हटने के बाद अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश ने कहा कि हम सिर्फ अपने परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए काम करते हैं। बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के शुभारंभ के दौरान, नीतीश कुमार ने कहा कि मैं महिलाओं से कहना चाहता हूं कि बहुत काम हो रहा है और प्रधानमंत्री आपके लिए काम कर रहे हैं। पिछली सरकार महिलाओं के लिए नहीं थी। क्या आपको पता है, जब उन्हें (लालू यादव को) हटाया गया, तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया। उन्हें अपने परिवार की चिंता थी। हम अपने परिवार की नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में असली विकास जेडी(यू)-बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद ही हुआ। पिछली सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले कोई उचित काम नहीं हुआ, लेकिन 2005 से राज्य भर में कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण को बेहतर बनाने के प्रयास किए गए हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में स्टॉल नंबर-12 बना पर्यटन, संस्कृति और तकनीक का आकर्षण केंद्र

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में हॉल नंबर-7 का स्टॉल नंबर-12 दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां आते ही आगंतुकों को ऐसा अनुभव मिलता है मानो वे किसी मेले में नहीं, बल्कि सीधे उत्तर प्रदेश की धरती पर पहुंच गए हों। कहीं बनारस के घाटों की झलक दिखती है तो कहीं काशी विश्वनाथ धाम और बुद्ध सर्किट की भव्यता नजर आती है। यही नहीं, आधुनिक तकनीक से लैस एआर फोटो बूथ युवाओं की सेल्फी और तस्वीरों का नया केंद्र बन गया है।

बनारस का माहौल, गंगा आरती का अनुभव: स्टॉल के प्रवेश द्वार को बनारस की गंगा आरती से प्रेरित कर डिजाइन किया गया है। आगंतुक जैसे ही अंदर आते हैं, उन्हें दीप जलाए कलाकारों और गंगा घाट की नकल करते चबूतरों पर बैठे प्रस्तुति देते कलाकार दिखाई देते हैं। स्टॉल में लगाए गए इन वीआर अनुभव (इमर्सिव टूर) के जरिए आगंतुकों को ऐसा आभास होता है मानो वे गंगा की लहरों पर नाव में सवार होकर बनारस की यात्रा कर रहे हों। स्टॉल पर मौजूद दीपिका सिंह ने बताया, "गंगा आरती से प्रेरित यह माहौल हर आगंतुक को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराता है। हमारा प्रयास है कि लोग यूपी के पर्यटन स्थलों से भावनात्मक रूप से जुड़ें।"

बुद्ध सर्किट द्वार पर युवाओं की भीड़: स्टॉल में बनाया गया बुद्ध सर्किट द्वार युवाओं का पसंदीदा सेल्फी प्वाइंट बन चुका है। गाजियाबाद से आए आगंतुक अमित ने कहा, "बुद्ध के उपदेश आज के समय में और भी ज्यादा प्रासंगिक हैं। यह द्वार न केवल एक फोटो स्पॉट है बल्कि संदेश देता है कि शांति और करुणा हमारी जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए।" स्टॉल में आने वाले छात्र और शोधार्थी भी इसे बेहद रोचक मान रहे हैं। उनका कहना है कि यह यूपी के बौद्ध पर्यटन सर्किट के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

धरोहर और जायकों का संगम: स्टॉल केवल धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां यूपी की हस्तकला और लजीज जायकों का भी संगम दिखता है। सहारनपुर की लकड़ी की कारीगरी, कन्नौज का इत्र, मुरादाबाद का ब्रासवर्क, भदोही के कालीन, वाराणसी की बूटीदार सिल्क साड़ी, आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा और बनारसी पान यहां आने वाले हर आगंतुक को आकर्षित कर रहे हैं।

दीपिका सिंह ने बताया, "हमने कोशिश की है कि इस छोटे से हिस्से में पूरा यूपी समा जाए। कोई स्वाद लेना चाहे या स्मृति चिन्ह साथ ले जाना चाहे, यहां सब उपलब्ध है।"

सोनम वांगचुक गिरफ्तार, लेह हिंसा के बाद एनजीओ का लाइसेंस रद्द होने पर सरकार को दी थी वॉर्निंग

लेह। लेह में शांतिपूर्ण बंद के हिंसक हो जाने के कुछ दिनों बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया और केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर उकसाने के आरोप में उन पर कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत आरोप लगाए गए। यह गिरफ्तारी वांगचुक के एनजीओ को एफसीआरए के तहत विदेशी धन प्राप्त करने से रोक दिए जाने के बाद हुई है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लेह में भीड़ को उकसाने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने अपने भाषण में अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेनरेशन जेड विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया था। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ झड़प करते हुए कई वाहनों और सरकारी इमारतों में आग लगा दी। राजधानी लेह में बंद के दौरान हुए इस उपद्रव में चार लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती को दिल्ली कोर्ट से झटका, अग्रिम जमानत याचिका खारिज

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए जांच के घेरे में आए स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह आदेश पटियाला हाउस कोर्ट द्वारा पारित किया गया, जिसमें कहा गया कि आरोपों की प्रकृति जांच के इस चरण में हिरासत में पूछताछ की मांग करती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अदालत ने एक स्वयंभू धर्मगुरु के खिलाफ कथित धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र के मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। एफआईआर छद्म रूप से धोखाधड़ी, किसी व्यक्ति को संपत्ति सौंपने या उसे रखने की सहमति देने के लिए बेईमानी से प्रेरित करके धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तैयार करके उसे असली के रूप में इस्तेमाल करने और आपराधिक षड्यंत्र के आरोपों के तहत दर्ज की गई थी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उनकी जांच से पता चला है कि सरस्वती ने कथित तौर पर जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, जो इसे संचालित करता है, की संपत्तियों को वित्तीय लाभ के लिए निजी कंपनियों को किराए पर देकर संस्थान पर अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया था। आज की अग्रिम जमानत वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोपों से संबंधित है, जहाँ स्वयंभू धर्मगुरु स्वामी चैतन्यानंद भी अपने खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद सुर्खियों में रहे। स्वयंभू धर्मगुरु पर दिल्ली के एक निजी प्रबंधन संस्थान की 17 छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और उत्पीड़न का आरोप है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी के वसंत कुंज उत्तर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर कथित यौन उत्पीड़न मामले में फरार चैतन्यानंद सरस्वती को पकड़ने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

महाराष्ट्र में बारिश एक आपदा, सरकार से निर्णायक कार्य की अपेक्षा: शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में भारी बारिश से हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस आपदा ने किसानों को तबाह कर दिया और ग्रामीण जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से राहत एवं पुनर्वास प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस आपदा ने न केवल फसलों को नष्ट किया बल्कि बड़े पैमाने पर जानवरों की भी मौत हुई है, जिससे कृषक समुदाय गंभीर संकट में है। उन्होंने कहा, "इस प्राकृतिक आपदा का असर केवल किसानों तक ही सीमित नहीं है। छोटे व बड़े व्यवसाय, कारीगर, खेतिहर मजदूर और गांवों में पारंपरिक बलुतेदार और पिछड़े समुदायों के सदस्य भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।" पवार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डालते हुए ईंधन व आवश्यक खाद्य आपूर्ति की भारी कमी की ओर इशारा किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को तत्काल सक्रिय व सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "बीमारियों के फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है और स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी देरी के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।" पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लगातार दौरों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के दौरों ने प्रशासन का ध्यान नुकसान का आकलन करने और राहत उपायों को लागू करने के बजाय प्रोटोकॉल संबंधी दायित्वों को पूरा करने पर केंद्रित कर दिया है। पवार ने चेतावनी देते हुए कहा, "इन यात्राओं के कारण आकलन में देरी हो रही है, जिसके कारण राहत कार्य धीमा हो रहा है।" मराठवाड़ा क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में हाल ही में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण तबाह हुई फसलों का आकलन करने का काम जारी है।

पुणे में 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 15 वर्षीय किशोर की मौत, पांच घायल

पुणे में शुक्रवार को 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 15 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अपराह्न के समय उंड्री में जगदंबा भवन रोड पर स्थित मार्वल आइडियल सोसाइटी की 12वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लग गई। उन्होंने बताया कि अग्निशमन अभियान के दौरान गैस सिलेंडर फट गया, जिससे दो अग्निशमन कर्मी घायल हो गए। अधिकारी ने बताया, पांच दमकल गाड़ियां और एक यांत्रिक सीढ़ी वाला वाहन घटनास्थल पर भेजा गया। जब दमकलकर्मी पानी पाइप लेकर ऊपरी मंजिलों पर पहुंचे और आग बुझानी शुरू की तो एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया, जिससे दो दमकलकर्मी और तीन निवासी घायल हो गए। इस घटना में 15 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घायलों को निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है तथा जले हुए स्थानों को ठंडा किया जा रहा है।

जुबां पर आई लव मोहम्मद का नाम, फिर क्यों दफनाने वाला पैगाम?

बीड के मंच से सीएम योगी को खुलेआम धमकी,यूपी में हाई अलर्ट

बीड। महाराष्ट्र के बीड में आयोजित आई लव मोहम्मद कार्यक्रम के दौरान एक मुस्लिम धर्मगुरु ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ टिप्पणी की। इस संबंध में एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें मौलाना को सीएम योगी को दफनाने की खुली धमकी देते हुए देखा जा सकता है। सभा को संबोधित करते हुए, उन्हें यूपी के सीएम के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते भी देखा जा सकता है। मौलाना ने सीएम योगी को नाजलगांव की मुस्तफा मस्जिद में आने की चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह यहां आए तो उन्हें वहीं दफनाकर कर दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश के बरेली में शुक्रवार की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद अभियान के बीच जमकर हंगामा हुआ। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरएएफ और आरआरएफ की कई कंपनियां तैनात की गई हैं। आई लव मोहम्मद अभियान उत्तर प्रदेश के कानपुर में पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले बारावफात समारोह के दौरान शुरू हुआ।

आरजेडी में कलह से सियासी भूचाल?

रोहिणी की नाराजगी को लेकर तेजस्वी ने तोड़ी चुप्पी, बीजेपी पर गरजे

पटना। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और रणनीतिकार संजय यादव के बीच बढ़ती दरार के बीच, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने शुक्रवार को अपनी बहन का बचाव करते हुए अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया और व्यक्तिगत मामलों को राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा पर हमला किया। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन हम इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाते। हमारा ध्यान सिर्फ बिहार के विकास पर है... रोहिणी दीदी मेरी बड़ी बहन हैं। उन्होंने मुझे पाला है। उनका त्याग आज के जमाने में कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने मेरे पिता को अपनी किडनी दान कर दी थी। तेजस्वी ने कहा कि छपरा की जनता चाहती थी कि उन्हें छपरा से टिकट मिले, और लालू जी ने लोगों की मांग और पार्टी कार्यकर्ताओं के सुझाव सुने और उन्हें टिकट दे दिया। रोहिणी पार्टी को मजबूत कर रही हैं और हमारा आत्मविश्वास बढ़ा रही हैं। तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी निशाना साधा और उनके पिछले बयान को याद दिलाया कि "लालू यादव टिकट दे रहे हैं और किडनी ले रहे हैं", जिसे उन्होंने पिता-पुत्री के रिश्ते का अपमान बताया। उन्होंने पूछा, "क्या ये लोग माँ-बहनों की इज्जत करते हैं?" इस बीच, भाजपा ने सोशल मीडिया पर अपना हमला तेज कर दिया और दो तस्वीरों के साथ पोस्ट किया, "रणनीतिकार संजय यादव की नई रणनीति – लालू प्रसाद की बेटी को बदनाम करना।" जैसे-जैसे राज्य विधानसभा चुनाव के करीब आ रहा है, तेजस्वी के सामने बिहार में सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाने और अपने ही परिवार के भीतर तनाव को संभालने की दोहरी चुनौती है।

खेसरहा में तीन दिवसीय आंगनबाड़ी कार्यकत्री की प्रथम बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खेसरहा के सभागार में बाल विकास परियोजना के द्वारा आयोजित 'पोषण भी, पढ़ाई भी' विषयक तीन दिवसीय आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रीओं का प्रशिक्षण शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में प्रथम बैच सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव विशेषता ने कार्यकर्ताओं को न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी, बल्कि डिमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से पोषणयुक्त भोजन तैयार करने के आसान और व्यवहारिक तरीके भी समझाए। उन्होंने दिखाया कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से बच्चों को संतुलित आहार कैसे दिया जा सकता है। इस प्रशिक्षण में गीत, बालगीत और नाटक के माध्यम से लोगों को प्रशिक्षित किया गया जिससे सभी लोगों ने मनोरंज तरीके नया सिख लिया। शिक्षा विभाग से प्रशिक्षक गिरीश रॉय एवं दिनेश कुमार ने कार्यकर्ताओं से कहा कि "आंगनबाड़ी केंद्र केवल भोजन वितरण का स्थल नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला है।

यहीं यदि पोषण और शिक्षा का समन्वय हो जाए, तो आने वाली पीढ़ी और मजबूत होगी। वहीं प्ले स्कूल और पढ़ाई के तरीके के विषय में जानकारी दिए प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई। उन्होंने सामूहिक गतिविधियों, खेलों और गीतों के माध्यम से यह जाना कि किस तरह बच्चों को पढ़ाई में रुचि के साथ–साथ पोषण संबंधी आदतें भी सहजता से सिखाई जा सकती हैं। पिरामल फाउंडेशन से सत्येन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि "कुपोषण और अशिक्षा समाज की सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। यदि आंगनबाड़ी केंद्र सशक्त होंगे तो न केवल बच्चे, बल्कि पूरा समाज सशक्त होगा।" तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और आत्मविश्वास भर दिया। उपस्थित सभी सुपरवाइजर एवं अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस तरह की पहल से आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यशैली और भी प्रभावी होगी। सिनर्जी संस्था से अतुल उपाध्य ने एनीमिया व सर्वाइकल कैंसर पर लोगों को प्रशिक्षित किया पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण की समापन के अवसर पर जोगिया ब्लाक के बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री गोपाल सिंह तथा ने बर्डपुर के बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रदीप श्रीवास्तव ने सर्टिफिकेट डाउनलोडिंग के विषय में जानकारी देते हुए पोषण और स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दिए और लोगों को सफल प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दिए। इस प्रशिक्षण के दौरान ब्लाक समन्वयक विजेन्द्र, समस्त सुपरवाइजर, सिनर्जी संस्थान से अतुल उपाध्याय, अध्यापक सुबास चंद एआरपी गिरीश रॉय, दिनेश कुमार पिरामल फाउंडेशन से सत्येन्द्र सिंह, योगेन्द्र मोहन, शोधार्थी दुर्गेश कुमार गुप्ता सहित प्रथम बैच की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

छात्रवृत्ति से छात्राओं की पढ़ाई में कोई रूकावट नही आयेगी:सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री, उ0प्र0योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन लखनऊ से वर्चुवल रूप से समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति प्रमाण–पत्र वितरण समारोह के अन्तर्गत 396602 छात्र–छात्राओं को 89.96 करोड़ का हस्तांतरण डीबीटी के माध्यम से उनके आधार लिंक खातों में किया गया। जनपद के सभी तहसीलों में छात्रवृत्ति प्रमाण–पत्र वितरण कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जनपद स्तर पर राजकीय कन्या इण्टर कालेज, तेतरी बाजार, नौगढ़ में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा, तहसील बांसी के राजकीय इण्टर कालेज, पचमोहनी बांसी में विधायक बांसी जयप्रताप सिंह, तहसील शोहरतगढ़ में शिवपति इण्टर कालेज, शोहरतगढ़ में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शोहरतगढ़ अमित यादव, चेयरमैन नगर

पंचायत शोहरतगढ़ उमा अग्रवाल, तहसील इटवा में माता प्रसाद जयसवाल इण्टर कालेज, इटवा में मा० विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय तहसील डुमरियागंज में राजकीय इण्टर कालेज परसा जमाल, डुमरियागंज में अभिषेक कुमार प्राचार्य राजकीय परसा जमाल इण्टर कालेज, सिद्धार्थनगर द्वारा छात्रवृत्ति प्रमाण–पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद के पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत कक्षा (9–10) में सामान्य वर्ग 408 एवं अनुसूचित जाति में 948, अनुसूचित जाति कक्षा (11–12) – 486, सामान्य वर्ग कक्षा (11–12) – 302, पिछड़ा वर्ग (9–10) में – 3828, कक्षा (11–12) में – 1246 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के कक्षा (9–10) में – 483, कक्षा (11–12) में – 216 छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। जनपद में सामान्य वर्ग/अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक वर्ग के कुल – 7915 छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति धनराशि उनके आधार लिंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रेषित की गई। अवशेष छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति की धनराशि विभिन्न चरणों में उनके आधार लिंक खाते में शासन द्वारा निर्गत समय–सारणी के अनुसार प्रेषित की जायेगी, सभी छात्र/छात्राएं अपना आधार कार्ड अपने बैंक खाते में एनपीसीआई से लिंक करा कर डीबीटी चालू करा ले, ताकि अगले चरण में जब छात्रों के खाते में शासन द्वारा छात्रवृत्ति की धनराशि प्रेषित की जाये तो ट्रान्जेक्शन फेल न हो। इस कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आदि अन्य सम्बंधित जिलास्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उ0प्र0 उद्योग व्यापार संगठन ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सीडीओ को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मुख्यालय के कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को उ0प्र0 उद्योग व्यापार संगठन की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन टीम शोहरतगढ़ के द्वारा बिजली के जर्जर तार, सेटी जाली सहित पुलिस बूथ से ढोई मंदिर तक गड्ढे में तब्दील सड़क के सम्बन्ध में और

जीएसटी के विषय को सरलीकरण पर चर्चा किया। जिससे व्यापारियों को फाइल भरने में कोई दिक्कत ना आने पावें को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एवं विभिन्न विषयों पर व्यापारी समाज के हितों का ज्ञापन भी दिया गया। वहीं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया। उ0प्र0 उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष आनन्द कसौधन ने नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से अध्यक्ष ने बताया कि नगर पंचायत शोहरतगढ़ पुलिस बूथ से लेकर ढोई मन्दिर तक सड़क जर्जर व गड्ढों तब्दील हो गया है। जो निरन्तर दुर्घटना को दावत दे रहा है और प्रति दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं दुर्गा पूजा विसर्जन, विजयादशमी, लक्ष्मी विसर्जन तथा अन्य कई मुख्य कार्यक्रम इसी मार्ग से सम्पन्न होना है। सड़क के जर्जर होने के कारण मूर्तियां खण्डित होने की अत्यधिक संभावना है। लेकिन एक माह होने को है लेकिन पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित सड़क अभी तक सही नहीं कराया गया है। इसलिए उपरोक्त प्रकरण को देखते हुए अविलम्ब सड़क सही कराने की कृपा करें और बाजार के सड़कों में जर्जर विद्युत तारों को दुरुस्त करायें, ताकि दुर्गा पूजा विसर्जन, विजयादशमी, लक्ष्मी विसर्जन को लेकर कोई दुर्घटना न हो। उन्होंने यह भी कहा कि इस समय नवरात्र का दिन चल रहा है लोग नवरात्र को लेकर भूखे रहते हैं। भीषण गर्मी व उमस से नगर की जनता विद्युत सुचारू से न रहने के बेहाल हो जाते हैं। इसलिए नगर पंचायत को देखते हुए 24 घन्टे न सही कम से कम 20 घंटे विद्युत दिया जाये, जिससे नगर की जनता सुकुन से रह सकें। बैठक में उद्योग व्यापार संगठन शोहरतगढ़ अध्यक्ष आनन्द कसौधन, प्रभारी शिव प्रसाद वर्मा, संरक्षक शक्ति सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी, उपाध्यक्ष प्रगति पाण्डेय, महामंत्री रामकिशोर उमर, कोषाध्यक्ष सन्तोष बंका एवं टीम के सभी पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत सीएचसी में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल तिलौली स्थित में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें स्वास्थ्य शीविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शीविर में आमजन को जनपद से आये विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा एवं आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान करने के साथ साथ अभियान के परिप्रेक्ष्य में अधिकतम महिलाओं व गर्भवती

महिलाओं के एक्सरे खून जाँच और प्रसव पूर्व सेवाएं प्रदान की गई। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन पूर्व मंत्री व विधायक बांसी जय प्रताप सिंह द्वारा किया गया, विधायक के साथ साथ सीएचसी अधीक्षक डॉ राजीव रंजन द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण कराया स्वास्थ्य सेवाओं के साथ साथ बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को पौष्टिक आहार दिया गया। विधायक द्वारा 12महिलाओं को आयुष्मान गोल्डन कार्ड 10 टीबी के रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई,8 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म के साथ दो बच्चों का अन्नप्राशन के साथ 10 गर्भवती धात्री को सहिजन का पौधा भेंट किया गया। स्वास्थ्य शिविर के आयोजन पर पूर्व मंत्री व विधायक जय प्रताप सिंह द्वारा आमजन से अपील की गयी कि सभी आमजन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूर लें। कार्यक्रम में मिठवल ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर दशरथ चौधरी, विधायक प्रतिनिधि जोगी बाबा, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र त्रिपाठी, विश्वनाथ पांडे, निखिल प्रताप सिंह, शुभम पाठक, आकाश पाठक संतोष पाठक, बाल विकास पुष्टाहार विभाग से नीलम वर्मा सीडीपीओ, सुपरवाइजर आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिका सहित स्वास्थ्य विभाग के कुशल टंडन, धर्मेंद्र विश्वकर्मा राधेश्याम चक्रवर्ती डॉ महफूज आलम डॉक्टर नीलिमा सिंह डॉक्टर प्रियांशु पांडे सहित प्रधानमंत्री जन औषधि कैंप के माध्यम से जनता को सस्ती दवाओं का लाभ मिल सका।

ऐण्टी रोमियो टीम की लीडर से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं ने सीखा आत्मरक्षा का गुण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज 5 कार्यक्रम के अंतर्गत महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज

परिषदीय विद्यालयों में महिला अधिकारियों तथा ख्याति प्राप्त महिलाओं द्वारा विद्यालय का भ्रमण एवं बालिकाओं से संवाद तथा आत्मरक्षा प्रशिक्षण सम्बन्धी जागरूकता प्रस्तावित है इसी क्रम में आज विकास क्षेत्र नौगढ़ के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नौगढ़ सिद्धार्थनगर में ऐण्टी रोमियो टीम की लीडर श्रीमती शाइस्ता खान ने बतौर अतिथि अपने टीम के साथ भ्रमण किया विद्यालय की बालिकाओं ने अतिथि के समक्ष आत्मरक्षा सम्बन्धी प्रस्तुति दिया तत्पश्चात शाइस्ता खान ने विद्यालय की बालिकाओं को आत्मरक्षा, ऐण्टी रोमियो टीम हेल्पलाइन नम्बर व पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को आत्मरक्षा का दंगो देकर उन्हें प्रशिक्षित भी किया बालिकाओं ने अपने कैरियर से सम्बन्धित बहुत सारे सवाल भी उनसे किए और उसके समुचित जवाब भी प्राप्त किए इसके उपरांत मिशन शक्ति कार्यक्रम के जनपद नोडल पशुपति नाथ दुबे ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार इन कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व उनकी समान भागीदारी हेतु समाज को जागरूक कर सकते हैं अंत में कार्यक्रम का समापन विद्यालय की वार्डेन श्रीमती गीता यादव के आभार ज्ञापन से हुआ इस दौरान रंजना मिश्रा समेत विद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

तेलंगाना स्पोजर विजिट में बहुत कुछ सीखने की जरुरत है - श्रीस प्रताप यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। तेलंगाना में आयोजित चार दिवसीय स्पोजर विजिट 08 सितंबर को सोहास खास के प्रधान श्रीस प्रताप यादव ने एक मुलाकात में कहा कि स्पोजर विजिट में मेरा भी नाम होना बहुत ही सौभाग्यशाली है। इन्होंने बताया की तेलंगाना जाने के बाद हम लोगों को चार ग्राम सभाओं में जाकर विजिट करना था ग्राम सभाओं में स्वच्छता को लेकर हर एक महिला पुरुष जागरूक दिखे। ग्राम पंचायतों में यहां सबसे पहले मकान बनवाना है तो आवश्यक दस्तावेज के साथ ही मकान का निर्माण करा सकते हैं। श्रीस प्रताप यादव ने अपने ग्राम सभा के लिए कहा की हमारे ग्राम सभा में बाजार लगता है सबसे पहले टोल टैक्स लगाने का कार्य किया जाएगा और ट्री गार्ड भी लगाने का काम किया जाएगा।

तहसील सभागार में आदर्श बार एसोसिएशन द्वारा फलाहार कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। शारदीय नवरात्रि की चतुर्थी के पावन अवसर पर डुमरियागंज तहसील सभागार में आदर्श बार एसोसिएशन डुमरियागंज के तत्वावधान में फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने मां भगवती के चित्र पर

पूजन–अर्चन कर किया। इस अवसर पर तहसील के अधिकारी, अधिवक्ता और अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र पाठक एवं महामंत्री शैलेन्द्र रावत ने बताया कि फलाहार कार्यक्रम धार्मिक सद्भाव का प्रतीक है, जो सभी धर्मों के लोगों के बीच आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर तहसीलदार रवि कुमार यादव, नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह, अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव, सुभाष चंद्र विश्वकर्मा, निखिलेश यादव, सुनील कुमार, विपुल पाठक, अमित सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–ऑक्शन नोटिस
सं. LJN-PRKG-17-25
PARKING-LJN-BST-FW-138-25-1
PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-2
PARKING-LJN-GTNR-PCCV-142-25-1
www.ireps.gov.in

ब्लॉक शोहरतगढ़ के रमवापुर नानकार में ग्राम चौपाल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत रमवापुर नानकार में शुक्रवार को गांव की समस्या गांव में समाधान करने हेतु चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया रमवापुर नानकार के पंचायत भवन में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए सचिव कामेश्वर मिश्रा ने कहा कि गांव की समस्याओं के निस्तारण के लिए ही शासन स्तर पर ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, ताकि गांव में ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि 21 दिनों के अन्दर ही जन्म–मृत्यु पत्र हेतु आवेदन करें, ताकि आप लोगों को बेवजह भाग–दौड़ न करनी पड़े। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से राशनकार्ड, फैमिली आईडी, वृद्धावस्था, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना, मनरेगा योजना, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना आदि योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान प्रमुख रूप से सचिव कामेश्वर मिश्रा, ग्राम प्रधान किसलावती देवी, प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव, ग्राम रोजगार सेवक राजदेव, आंगनवाड़ी सहायिका सुमन, आशाबहू आरती, सफाई कर्मी चन्द्रप्रकाश के साथ गांव के बरसाती, अब्दुल मजीद, राम लखन, शिव पूजन, महेन्द्र, शिमला, गौतम आरती आदि मौजूद रहे।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने 30 को अवकाश की मांग किया

सिद्धार्थनगर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने 30 को अवकाश की मांग किया है अध्यक्ष अभय पाण्डेय ने कहा की हिन्दू धर्म में शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व बहुत धूमधाम एवं हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता है। सचिव बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा निर्गत अवकाश तालिका में स्कूल खुला हुआ है, जबकि आप के कार्यालय द्वारा का निर्गत अवकाश तालिका में स्थानीय अवकाश घोषित है। दिनांक 30 सितम्बर 2025 दुर्गा महाअष्टमी के दिन अधिकांश शिक्षक/शिक्षिका (शिक्षिकाओं द्वारा विशेष रूप से निर्जला जिउतिया व्रत) व बच्चों द्वारा व्रत रखा जाता है, तथा इस दिन परिवार के लोग प्रातःकाल घर पर पूजा–पाठ, हवन, कन्या पूजन व कन्या भोज भी करवाते हैं। जिससे विद्यालयों में छात्र संख्या भी काफी प्रभावित रहती है और शिक्षण कार्य भी प्रभावित रहता है। अतः आप से विनम्र अनुरोध है कि दिनांक 30 सितम्बर 2025 दुर्गा महाअष्टमी के पावन अवसर पर परिषदीय विद्यालयों में अवकाश घोषित करने की कृपा करें।

सीएम का आपत्तिजनक फोटो प्रसारित से लोगों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो के साथ छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक फोटो इन्टरनेट मीडिया पर प्रसारित करने होने से लोगों काफी आक्रोश है। इन्टरनेट मीडिया पर लोग इस पोस्ट को लेकर काफी आपत्ति जता रहे हैं और आरोपित के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस से मांग कर रहे हैं। हिन्दू युवा वाहिनी के अजय सिंह व नगर पंचायत के सौरभ गुप्ता ने शोहरतगढ़ थाने में तहरीर देकर बताया कि करोड़ों हिन्दुओं के आस्था के प्रतीक प्रदेश के मुख्यमंत्री के चित्र के साथ छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक पोस्ट किया गया है। यह बर्दाश्त से बाहर है। गुरुवार सुबह 10 बजे इस आपत्तिजनक पोस्ट को इन्टरनेट मीडिया पर देखा गया। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि यह गम्भीर प्रकरण है। इसमें जो भी दोषी है उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग पुलिस से की गई है।

हिन्दू धार्मिक आस्था पर युवक ने सोशल मीडिया के माध्यम से किया प्रहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के थाना क्षेत्र चिल्हिया अन्तर्गत केसारा निवासी युवक ने हिन्दू धार्मिक आस्था पर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रहार किया है। आपको बता दें कि युवक ने माँ दुर्गा जी पर आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर डालकर हिन्दू आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। वहीं नवरात्रि के समय में माँ दुर्गा जी के चरित्र पर आपत्तिजनक पोस्ट डालना हिन्दू आस्था पर प्रहार किया है। यही नहीं युवक ने सोशल मीडिया में ब्राह्मण समुदाय पर भी आपत्तिजनक पोस्ट डाला है। वहीं अरुण भारती के नाम से फेसबुक अकाउन्ट है, जिसपर युवक ने आपत्तिजनक पोस्ट डाला है। आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाला युवक चिल्हिया थाना क्षेत्र के केसरा का बताया जा रहा है।

राशन कार्ड में नाम जोड़ने से लेकर काटने तक चल रहा खेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। खाद्यान्न विभाग इटवा के कार्यालय में राशन कार्ड में नाम जोड़ने से लेकर काटने तक खेल चल रहा है। यहां कुछ कोटेदार दिन भर पूर्ति निरीक्षक के सह पर कार्यालय (आफिस) संभालते हैं। हर आनलाइन आवेदन पर नाम जुड़वाने के लिए चक्कर लगाना पड़ रहा है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर चन्द कोटेदार दिन भर कार्यालय (आफिस) में क्या कर रहे हैं। कहीं कोटेदार या प्राइवेट कर्मी यह धन उगाही आदि का तो काम नहीं कर रहे हैं। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर डॉ0 राजा गणपति आर0 जी एक नजर इटवा आपूर्ति कार्यालय पर भी डाल लें। आखिर ऑफिस स्टाफ के अलावा दिन भर पटल और फाइलों के बीच कोटेदार क्या कर रहे हैं। आखिर इन्हें संरक्षण कौन दे रहा है। दिन भर कार्यालय (आफिस) में पूर्ति निरीक्षक के इर्द-गिर्द घूमने वाले कुछ कोटेदार यदि अपने गांव में राशन वितरण में मानकों को दर-किनार करें तो क्या निष्पक्ष उनके खिलाफ जांच होगी जो बड़ा सवाल है।

दशहरा एवं दुर्गा पूजा पर्व को लेकर एसडीएम व इंस्पेक्टर ने किया पैदल गश्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे में शुक्रवार को उपजिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्र व शोहरतगढ़ इंस्पेक्टर सन्तोष कुमार तिवारी ने पुलिस बल के साथ पैदल गस्त कर सुरक्षा सहित मेला व्यवस्था का जायजा लिया। शोहरतगढ़ एसडीएम ने पुलिस बल के साथ पुलिस पिकेट, खुनुवां मार्ग, प्रेम गली, सब्जी मण्डी, भारत माता चौक, जामा मस्जिद मार्ग, गोलघर, रामजानकी

मंदिर मार्ग सहित विभिन्न मार्गों पर स्थापित होने वाली प्रतिमा स्थल, जुलूस मार्गों की स्थिति देखी और संभावित भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने आयोजकों से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी विवादित स्थिति में तुरन्त पुलिस को सूचना दें। आपको बता दें कि दशहरा एवं दुर्गा पूजा पर्व को लेकर जनपद प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है और कस्बे की वर्तमान स्थिति को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की नजरें लगातार बनी हुई है। इस दौरान एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा, इंस्पेक्टर सन्तोष कुमार तिवारी, कांस्टेबल प्रभाकर यादव, कांस्टेबल दिनेश आदि मौजूद रहे।

त्यौहार को लेकर प्रशासन सक्रिय, किया पैदल गस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा व शोहरतगढ़ इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी ने पुलिस बल के साथ शोहरतगढ़ कस्बे में पैदल गस्त कर सुरक्षा सहित मेला व्यवस्था का जायजा लिया। शोहरतगढ़ एस.डी.एम. ने पुलिस बल के साथ पुलिस पिकेट, खुनुवा मार्ग, प्रेम गली, सब्जीमंडी, भारत माता चौक, जामा मस्जिद मार्ग, गोलघर, रामजानकी मंदिर मार्ग सहित विभिन्न मार्गों पर स्थापित होने वाली प्रतिमा स्थल, जुलूस मार्गों की स्थिति देखी और संभावित भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आयोजकों से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी विवादित स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें। बताते चले दशहरा एवं दुर्गा पूजा पर्व को लेकर जनपद प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है और कस्बे की वर्तमान स्थिति को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की नजरें लगातार बनी हुई है। इस दौरान एसडीएम विवेकानंद मिश्रा, इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी, का. प्रभाकर यादव, दिनेश आदि मौजूद रहे।

नीलामी सूचना

राजकीय आईटीआई बांसी, सिद्धार्थनगर के स्क्रैप की नीलामी दिनांक : 30.10.2025 को प्रातः 11.30 बजे संस्थान में की जायेगी। आरक्षित मूल्य का 2 अग्रिम धनराशि जमा करना अनिवार्य है। उच्चतम बोली के अतिरिक्त अन्य की जमा अग्रिम वापस कर दी जायेगी।

(प्रभाकर)
प्रधानाचार्य

नगर के अन्दर पुलिस बूथ से लेकर डोई मन्दिर तक जर्जर सड़क को लेकर सीडीओ को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल टीम शोहरतगढ़ के द्वारा पिछली बैठक दिनांक 28/08/2025 को बिजली के जर्जर तार, सेफ्टी जाली सहित पुलिस बूथ से डोई मंदिर तक गड्ढे में तब्दील सड़क के सम्बन्ध में दिये गये शिकायती पत्र को पुनः स्मरण करते हुए तत्काल निर्माण कार्य कराने को और जीएसटी के विषय को सरलीकरण पर चर्चा किया। जिससे व्यापारियों को फाइल भरने में कोई दिक्कत ना आने पाये को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एवं विभिन्न विषयों पर व्यापारी समाज के हितों का ज्ञापन भी दिया गया। वहीं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया। अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल के नेतृत्व में ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि नगर पंचायत शोहरतगढ़ पुलिस बूथ से लेकर डोई मन्दिर तक सड़क जर्जर व गड्ढों तब्दील हो गया है। जो निरन्तर दुर्घटना को दावत दे रहा है और प्रति दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं दुर्गा पूजा विसर्जन, विजयादशमी, लक्ष्मी विसर्जन तथा अन्य कई मुख्य कार्यक्रम उसी मार्ग से सम्पन्न होना है। सड़क के जर्जर होने के कारण मूर्तियां खण्डित होने की अत्याधिक संभावना है। लेकिन एक माह होने को है लेकिन पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित सड़क अभी तक सही नहीं कराया गया है। इसलिए उपरोक्त प्रकरण को देखते हुए अविलम्ब सड़क सही कराने की कृपा करें। बैठक में उद्योग व्यापार मण्डल शोहरतगढ़ अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल, वरिष्ठ महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष महेश कसौधन, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, महामंत्री गोविन्द फौजी, नगर सचिव बृज बिहारी मिश्रा, संरक्षक दिलीप वर्मा एवं टीम के सभी पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

मलगहिया गांव में विकास के नाम पर हो रहा फर्जी भुगतान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बढ़नी क्षेत्र के ग्राम पंचायत मलगहिया गांव में विकास के नाम पर ग्राम प्रधान व सचिव के द्वारा किया जा रहा भ्रष्टाचार परत दर परत सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गांव में संचारी रोग व स्वच्छता हेतु ब्लीचिंग पाउडर चूना छिड़काव आदि के नाम पर पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है। फिर भी जगह-जगह गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है। नहर के आस-पास पिच सड़क में साबिश पटाई के नाम पर करीब 80,000/- का भुगतान किया गया है। आंगनबाड़ी बाउण्ड्रीवॉल मरम्मत के नाम पर करीब 80,000/- का फर्जी तरीके से भुगतान करने की बात कही जा रही है। वहीं कन्सट्रेक्शन एमबी करने वाली जेई रेनू वर्मा का कहना है कि बाउण्ड्रीवॉल का कोई स्टीमेट व एमबी नहीं हुआ है। ग्राम पंचायत में स्ट्रीट लाइट के नाम पर भुगतान किया गया है, जबकि ज्यादातर लाइटें खराब पड़ी हुई हैं। प्राथमिक विद्यालय में शौचालय मरम्मत कार्य, ठेला गाड़ी, स्टेशनरी, नाली निर्माण आदि के नाम पर धन निकासी तो की जा रही है लेकिन उसका कोई लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। ज्यादातर विकास कागजों में सिमट कर रह गया है। जमीनी स्तर पर कुछ भी नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच उच्चाधिकारियों से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। उक्त के सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी बढ़नी का कहना है कि मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जायेगी।

उनकी यह वापसी राजनीतिक गलियारों में बनी हुई है चर्चा का विषय, समाजवादी पार्टी का बढ़ रहा है कुनबा

पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी ने थमा सपा का दामन, शोहरतगढ़ का सियासी समीकरण बदलने के आसार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिले की सियासत में शुक्रवार का दिन उथल-पुथल का रहा। दोपहर बाद एक ऐसी खबर मिली जिससे शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र का सियासी समीकरण बदल गया। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। लखनऊ में हुए इस घटनाक्रम से जिले के सियासत का तापमान बढ़ गया। आपको बता दें कि वर्ष 2017 में अपना दल के टिकट पर शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गये चौधरी अमर सिंह ने लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर साइकिल पर सवार होने का ऐलान कर दिया। जैसे ही लखनऊ में हुए इस घटनाक्रम की सूचना जिले में पहुंची, पूर्व विधायक के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। वैसे जहां तक चौधरी अमर सिंह के पाला बदलने का सवाल है, तो यह पांचवी बार अपना दल बदला है। बताया जाता है कि चौधरी अमर सिंह वर्ष 2017 में अपना दल से चुनाव लड़ा थे और निर्वाचित हुए थे। उसके बाद अपना दल से उनका मोहभंग हो गया औ विभिन्न दलों से होते हुए लोकसभा चुनाव के पहले आजाद समाज पार्टी में शामिल हो गये और उसके टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा। जिसमें वह पराजित हो गये। जिले की सियासत की जानकारी रखने वाले जानकार कहते हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद से चौधरी अमर सिंह सपा का दरवाजा खटखटा रहे थे और गुरुवार को उन्होंने सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। उनकी यह वापसी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है खासकर एक ऐसे पीले गमछे वाले व्यक्ति के कारण, जिसने पिछले चुनाव में उनकी जगह पार्टी का टिकट हासिल किया था। बताया जाता है कि पिछले विधानसभा चुनाव में चौधरी अमर सिंह को उनकी पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। पार्टी ने उनकी जगह एक ऐसे नेता को मौका दिया, जिन्हें लोग पीले गमछे वाले के नाम से जानते थे। इससे नाराज होकर अमर सिंह ने पार्टी छोड़ दी और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े। हालांकि चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार इस हार के बाद उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। इसी पछतावे के चलते उन्होंने एक बार फिर सपा का दामन थाम लिया है। उनकी इस वापसी को 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। उधर सपा में शामिल होने के बाद चौधरी अमर सिंह ने कहा कि वह पीडीए के पक्षधर हैं। इसी कारण से वह सपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भरोसा दिलाया कि वह जिले का पांचों सीटों पर सपा प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा देंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सपा अखिलेश यादव उ0प्र0 विधान सभा में विपक्ष के नेता व विधायक माता प्रसाद पाण्डेय, सांसद राम प्रसाद चौधरी, जिलाध्यक्ष सिद्धार्थनगर लालजी यादव सहित अन्य नेता गण उपस्थित रहे।

कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बने डॉक्टर एस0के0 भारती

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात डॉ0 एस0के0 भारती किसी नाम या परिचय के मोहताज नहीं हैं। अस्पताल आने वाला हर मरीज और उनके परिजन इन्हें अपनी लगन और सेवा भावना के लिए याद करते हैं। डॉ0 एस0के0 भारती के कार्यशैली ऐसी है कि चाहे नार्मल डिलीवरी हो या सिजेरियन आप्रेशन, सामान्य ओपीडी हो या इमरजेंसी ड्यूटी, वह हर मरीज को पूरे धैर्य और लगन से देखते हैं। अक्सर अस्पताल परिसर में उनकी लोकप्रियता का अन्दाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मरीजों की लम्बी कतार लगी रहती है। आज अपनी कर्तव्यनिष्ठा और मरीजों के प्रति समर्पण भाव के कारण ओपीडी ड्यूटी के दौरान उन्होंने लगभग 150 मरीजों को देखा और सभी का उपचार किया, इसके साथ ही डा0 एस0के0 भारती द्वारा प्रतिदिन 10 नार्मल डिलीवरी और 2 से 3 सिजेरियन ऑपरेशन होता है। इतनी अधिक संख्या में मरीजों को संभालने के बावजूद उनका उत्साह और ऊर्जा हमेशा की तरह बरकरार रहीं। वहीं स्थानीय लोग बताते हैं कि डॉ0 एस0के0 भारती न केवल मेहनती चिकित्सक हैं, बल्कि उनका मरीजों और आमजन के प्रति व्यवहार भी अत्यन्त विनम्र और सहयोगी है। यही कारण है कि बीमार पड़ने पर लोग सबसे पहले यही चाहते हैं कि उन्हें डॉ0 एस0के0 भारती ही देखें।

समर्पण से मिली पहचान : डॉ0 एस0के0 भारती ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि सच्चे उद्देश्यों में डॉक्टर वही है, जो रोगी की पीड़ा को समझे और उसे कम करने का हर सम्भव प्रयास करें। उनकी सेवा भावना और लगनशीलता शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में एक कर्तव्यनिष्ठ चिकित्सक की मिसाल बन गई है।

प्रदेश सलाहकार एवं प्रदेश प्रवक्ता राष्ट्रवादी जन संग्रह पाटक ने विद्युत कटौती को लेकर दिया अल्टीमेटम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में इन दिनों बिजली की कटौती इतनी ज्यादा हो रही है कि जनता गर्मी व उमस से परेशान व बेहाल हो रहे हैं। वहीं खास तौर पर इटवा व डुमरियागंज तहसील के क्षेत्र में बिजली की कटौती इतनी ज्यादा हो रही है कि शासन प्रशासन सभी लापरवाही की सीमा पार कर चुके हैं। दिन में गर्मी हद से ज्यादा हो रही है और रात को चोरी होती है। दोनों क्षेत्रों में विधायक सपा के हैं और मुख्यमंत्री बीजेपी का। सब के सब एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं और जनता परेशान है। किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता है। उक्त बातें प्रदेश सलाहकार एवं प्रदेश प्रवक्ता राष्ट्रवादी जन संग्रह पार्टी उत्तर प्रदेश वीरेन्द्र कुमार दूबे ने कहा। उन्होंने शासन में प्रशासन से अनुरोध करते हुए कहा कि हमारी पार्टी को मजबूर मत कीजिए कि हम जनता को लेकर शासन प्रशासन का घेराव करें, क्योंकि भ्रष्टाचार और निरंकुशता चरम सीमा पर है, जो बर्दाश्त के बाहर है।

नवरात्रि विशेष : भिरण्डा समयमाता के दर पर पूरी होती है हर मनोकामना, नवरात्र में नेपाल से भी दर्शन को पहुंच रहे श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। प्राचीन काल से धार्मिक आस्था का केन्द्र रहे भिरण्डा समय माता धार्मिक स्थल पर शारदीय नवरात्र पर्व शुरू होते ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया है। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में स्थित भिरण्डा श्री समय माता मंदिर अति प्राचीन मंदिर है, जहां माता पिण्ड स्वरूप में विराजमान हैं। भक्तों ने माता की सुन्दर मूर्ति भी स्थापित किया है। वहीं विराजमान श्री समय माता का दर्शन करने से भक्तों की खाली झोली भर जाती है। इस मंदिर का निर्माण बहुत ही आकर्षक तरीके से कराया गया है। आदिशक्ति के दर्शन करने के लिए प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में भक्त आते हैं। नवरात्रि के दिनों में तो यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु हाजिरी लगाते हैं। भिरण्डा समय माता आस्था का केन्द्र बना हुआ है।

का मंदिर प्राचीन काल से ही नगर पंचायत शोहरतगढ़ से करीब 2 किलोमीटर दूर भिरण्डा में समय माता का प्राचीन मंदिर है। मंदिर परिसर में बगल एक पोखरा आज भी उस ऐतिहासिक युग का मूक साक्षी बनी है। इस पोखरे में पाण्डवों ने स्नान करके समयमाता मंदिर में बैठकर साधना करने वाले पाण्डवों की गाथा लोककथाओं और बुजुर्गों की कहानियों में आज भी सुनाई देती है। वैसे तो वर्ष भर सोमवार व शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। लेकिन नवरात्र में तो मेले जैसा माहौल हो जाता है। यहां पर बड़ी संख्या में लोग मन्नत पूरी होने पर कढ़ाई चढ़ाने, मुण्डन व अन्य संस्कार कराने के लिए आते हैं। मान्यता है कि समय माता के दरबार में सच्चे मन से आराधना करने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं।

मन्नतें पूरी होने पर लोगों के सहयोग से कराया भव्य मंदिर का निर्माण

मंदिर पुजारी विलियम सिंह का कहना है कि प्राचीन काल से ही यहां मां के भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है। मंदिर पुजारी विलियम सिंह ने नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं को मंदिर के इतिहास से अवगत कराते हुए बताया कि पाण्डवों ने इस स्थल पर आकर शक्ति साधना की थी। तभी से यह मंदिर आस्था और विश्वास का केन्द्र बना। उन्होंने कहा कि यहां आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। मां हर किसी की झोली खुशियों से भर देती हैं। नवरात्रि में मंदिर का श्रृंगार विशेष रूप से आकर्षक होता है। इस भिरण्डा समयमाता स्थान की दिन प्रतिदिन महत्ता बढ़ने से 2013 में नगर पंचायत शोहरतगढ़ के समस्त श्रद्धालुओं ने उनकी मन्नतें पूरी होने पर सहयोग से मंदिर निर्माण कार्य शुरू कराया, वहीं जिसमें क्षेत्रीय लोगों के अपार सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। पूरे नौ दिन तक यहां पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

सबकी मुरादें पूरी करती हैं भिरण्डा समय माता

नगर पंचायत शोहरतगढ़ के चेयरमैन उमा अग्रवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, डॉ0 जीतेन्द्र मोटनवाल जय प्रताप सिंह, चन्द्र प्रताप सिंह, भानु प्रताप सिंह, अभय सिंह, शक्ति सिंह, चन्दन श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, कमलेश गुप्ता, प्रदीप उपाध्याय, राकेश उपाध्याय, प्रगति पाण्डेय, बबलू गौड़, कुश मोटनवाल, रंजीत चौधरी, राहुल चौधरी, भीम चौधरी, शिवरतन कन्नौजिया, अनूप कसौधन, आनन्द कसौधन, रामकिशोर उमर, विक्रान्त सिंह, भोला कसौधन, सतीश वर्मा, मोनू कुमार, शरदेंदु त्रिपाठी, अमित त्रिपाठी, राकेश कुमार राज, राजेन्द्र रूंगटा उर्फ नीलू आदि ने बताया कि हर साल नवरात्र में मां के दरबार में आते हैं। आज तक जो भी मांगें मांगी सभी मुरादों को समय माता ने पूरा किया है।

सम्पादकीय

बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी–संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से ...

गंभीर पहल से ही होते हैं युद्ध समाप्त

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जैसा अगंभीर व असामान्य व्यवहार नजर आया, उससे कहीं से नहीं लगा कि वे विश्व की एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में युद्धों को समाप्त करने के लिये सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस रणनीति व गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है। संयुक्त राष्ट्र में डोनाल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने 'जलवायु परिवर्तन' को अब तक का सबसे बड़ा धोखा' बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन–धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को 'राष्ट्रों को नष्ट करने वाली' शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है। निस्संदेह, प्रवासियों को खतरे के रूप में पेश करना जेनोफोबिया को बढ़ावा देना है। जो वैश्विक समुदायों को विभाजित करने की कुत्सित कोशिश है। ऐसे संघर्ष को रोकने के बजाय इस तरह की गैरजिम्मेदार बयानबाजी सामाजिक आक्रोश और विभाजन को ही जन्म देगी। कालांतर ये विकसित राष्ट्रों में आए प्रवासियों के विरुद्ध नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। निस्संदेह, प्रवासियों के लिये अपने दरवाजे बंद करने से शांति सुनिश्चित नहीं होती। आज जब आधुनिक तकनीक व संचार क्रांति के चलते दुनिया के एक गांव में तब्दील होने की बात कही जाती है तो यह सोच नितांत अतार्किक व मानवीय मूल्यों की विरोधी ही है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र पर ट्रंप का हमला करना और इसे 'अप्रभावी और पाखंडी' करार देना – उनके कथित शांतिदूत होने के दावे को कमजोर करता है। माना कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सीमाएं हैं। लेकिन आज के संघर्षरत विश्व में यह एकमात्र वैश्विक निकाय है, जो संवाद, मानवीय राहत और शांति स्थापना के लिये कारगर विकल्प प्रस्तुत करता है। खुद को शांति के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए, इस पर अनुचित तरीके से हमला करना, उन्हीं संस्थाओं को कमजोर करना है, जो दुनिया को युद्ध के संकट से बचाने का काम करती हैं। बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी–संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से जोर देना चाहिए। शांति को केवल सैन्य संयम तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसके लिये साझी मानवीय चुनौतियों से मुकाबले के लिये सहयोग की आवश्यकता है। ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए भाषण ने एक अन्य विरोधाभास को भी उजागर किया, कि एक तरफ तो वह नेता युद्धों को समाप्त करने के नाम पर वाहवाही लूटने का श्रेय लेने हेतु तमाम तरह के प्रपंच करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर भविष्य में युद्धों को भड़काने वाली परिस्थितियों को हवा भी देता है। यदि हम दुनिया में सही मायनों में शांति स्थापना की आकांक्षा रखते हैं तो उसके लिये एकजुटता की जरूरत होती है न कि खोखले नारों की।

शब्द–भ्रम की कला में माहिर बयानवीर

बयान देना, पुराने जमाने जैसी परम्परा, जबान देने जैसा तो होता नहीं कि मुकर जाओ तो फजीहत हो जाएगी। अब तो कदम कदम पर बिगड़ी जुबानें हैं तभी तो बयान को जब चाहे वापस लेने, तोड़ने–मरोड़ने या उसका रंग–ढंग बदल सकने की सुविधा है। किसी बात को सिर्फ कह देना अब काफी नहीं है। बयान देना जरूरी है। इससे बात का जानदार बतंगड़ बनाने में आसानी हो जाती है। इतिहास के किसी पन्ने पर भी अंकित हो ही जाता है बयान। कभी जरूरत पड़े तो गर्व से कहा जा सकता है, हमने तो पहले ही कहा था। एक–दूसरे से प्रेरित होकर बयान देने वाले, बयान दागने वाले, बयान की निंदा करने वालों की जमात बढ़ रही है। किसी और के बयान की जोरदार निंदा करते हुए बयान आता है, उनका रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका रवैया दोहरा है। अनेक बयानवीर एकता, एकजुटता, सामूहिक इच्छाशक्ति, सामूहिक प्रतिक्रिया और निरंतर संवाद की वकालत करते हैं। बयान देने वाले या लेने वाले ने व्यावहारिक रूप से कुछ करना नहीं होता। अपने गिरेबान में नहीं दूसरों के गिरेबान में झांकना होता है। बयान में यह खुली स्वतंत्रता होती है कि स्वर्ग या नरक, पता नहीं कहां गए या जीवित व्यक्ति, शासक, राजा पर टिप्पणी करते हुए ईंट, पत्थर, रोड़ों को भी नहीं बख्शना। बयान देने के फायदे बहुत हैं और अगर बयान की वीडियो भी जारी कर वायरल करवा दी गई है तो सारे प्यारे हैं। बयान असामाजिक, अवांछित, गैर–जिम्मेदाराना और अनैतिक हैं तो महा प्यारे–प्यारे हो सकते हैं। राजनीतिक बयान हैं तो नायक बन सकता है। राजनीति में नहीं हैं तो व्यावसायिक पार्टियां, चाय पर नहीं सीधे खाने और खिलाने पर बुला सकती हैं। फिर बयान के वस्त्र और जूते बदलवाकर, बाल कटवाकर पुनः जारी करती हैं। कितनी बार ऐसा होता है कि बयान इतने ऊंचे या गहरे स्रोत से आता है कि उसके कितने ही अर्थ और अनर्थ निकाले जाते हैं। फिर बयान आता है कि बयान को तोड़ मोड़कर पेश किया गया। बयान देने वालों को सुविधा रहती है कि कुछ दिन तक हलचल, शोरशराबा मचाकर बयान वापस भी ले लो। अब तो इस सुविधा का फायदा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोरदार शोर मचाने वाले, खतरनाक ट्रम्प वाले चलने वाले भी उठा रहे हैं। जब चाहें जो मर्जी बयान देते हैं और जब दिमाग में आया, बयान वापस लेकर नए आंकड़ों में लपेट कर फिर दे देते हैं। कितनी ही बार किसी बयान को किसी बड़े मुंह से दिलवा दिया जाए तो बयान की प्रसिद्धि ज्यादा बढ़ जाती है। बयान देना, पुराने जमाने जैसी परम्परा, जबान देने जैसा तो होता नहीं कि मुकर जाओ तो फजीहत हो जाएगी। अब तो कदम कदम पर बिगड़ी जुबानें हैं तभी तो बयान को जब चाहे वापस लेने, तोड़ने–मरोड़ने या उसका रंग–ढंग बदल सकने की सुविधा है। कुछ भी हो जी, बयान तो वही बढ़िया होता है जिसके साथ जब चाहे, जैसा मर्जी खेल, खेल सकें।

पेपर लीक शृंखला से आक्रोशित बेरोजगार युवा

आखिर उन्हें लगता है कि अन्याय हुआ है, तो आवाज उठाने से उन्हें क्यों रोका जाए? यह सवाल पूरे उत्तराखंड में उठ रहा है कि असल चूक कहां हो रही है? इस पूरे जाल को कैसे ध्वस्त किया जा सकता है? युवाओं में शासन के प्रति विश्वास कायम रहना चाहिए। कुछ ताकतें स्थितियों को अराजकता की ओर ले जाने के लिए तत्पर रहती हैं। ऐसे में सावधानी बरतते हुए युवाओं को अपनी बात सक्षम तरीके से रखनी होगी...

उत्तराखंड राज्य के आंदोलन को मातृशक्ति और युवा शक्ति का आंदोलन कहा गया था। एक स्वयंस्फूर्त आंदोलन में युवाओं की ऐसी भागीदारी थी, जिसमें वे निजी हितों को तिलांजलि देकर बड़े उद्देश्य के लिए आंदोलन में कूद पड़े थे। राज्य स्थापना के आंदोलन के पीछे कई पहलुओं को देखा गया, लेकिन दशकों से चले आ रहे आंदोलन को नब्बे के दशक में चिंगारी रोजगार के मसले पर ही मिली थी। युवाओं ने महसूस किया था कि जिस आरक्षण को राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है, वह उनके रोजगार छीन लेगा। राज्य स्थापना के 25 साल बाद अब फिर युवा उसी तरह सड़कों पर उतरा है। बेशक उसका यह आंदोलन किसी आरक्षण या किसी तकनीकी आधार के विरोध पर नहीं, लेकिन उत्तराखंड में फिर से पेपर लीक की घटना से वह आहत हुआ है। उसे फिर लगा कि उसके जीवन से खिलवाड़ हो रहा है। सियासी पार्टियों के अपने–अपने बयान हैं, लेकिन यह हकीकत है कि राज्य में ऐसा ढांचा बना है जो पेपर लीक करने वालों में डर पैदा नहीं कर पा रहा। उत्तराखंड में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा के दौरान पेपर लीक हुआ है। परीक्षा शुरू होने के 35 मिनट के अंदर पेपर के तीन पेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। हालांकि पेपर लीक होना या भर्ती घोटाला इस राज्य के लिए नई बात नहीं रही। राज्य बनने के साथ ही ऐसी घटनाएं समय–समय पर होती रही है। राज्य की शुरुआत के साथ ही 2003 में पटवारी भर्ती घोटाला और दारोगा भर्ती घोटाला सामने आये। पेपर लीक का यह पहला मामला नहीं। साल 2021 में स्नातक स्तरीय

परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आया था। इसमें कई आरोपी गिरफ्तार हुए तथा जांच के आदेश दिए थे। राज्य में पटवारी, लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी जैसी कई परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप लगे। इन दारोगा भर्ती में भी पेपर लीक व ऑनलाइन नकल के आरोप लगे। जांच हेतु राज्य सरकार 'विशेष जांच दल' गठित किया। 2023 में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और कथित घोटालों के खिलाफ छात्रों के जगह–जगह विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार 'उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम 2023' लेकर आई थी। तब इसे पेपर लीक और नकल रोकने के लिए सबसे सख्त कानून बताया गया। इसमें ऐसी कड़ी धाराएं थी जो ऐसी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को सोचने पर विवश करे। लेकिन हाल ही में फिर उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा दौरान पेपर लीक की बात सामने आई है, जिसने सबको चौंकाया। हर कोई हैरान है कि कड़े कानून और समय–समय पर कार्रवाई होने के बावजूद ऐसे तत्वों पर फर्क नहीं पड़ा है। निश्चित ही ऐसे काम को अंजाम देने वाली एक बड़ी लॉबी सक्रिय है और इस पूरे तंत्र से निपटना किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे तत्वों का फैलाव इतनी दूर तक है कि सरकार का मजबूत तंत्र उनसे निपट नहीं पा रहा है। दरअसल यह किसी एक राज्य की नहीं बल्कि पूरे देश की भी चिंता है। ऐसे कई सवाल उत्तराखंड के छात्रों के मन में उठना स्वाभाविक है कि छोटे–छोटे कबूतर नहीं, असली बाज कौन है? उत्तराखंड सामाजिक आंदोलनों के लिए जाना जाता है। कभी यहां की निरक्षर महिलाओं ने दुनिया भर को पर्यावरण के महत्व से जागरूक किया। यहीं महिलाओं ने अपने बच्चों के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए आंदोलन किया। युवाओं को शिक्षा व रोजगार के लिए मातृशक्ति ने नब्बे के दशक में ऐसा आंदोलन खड़ा किया, जिससे एक नहीं, तीन राज्यों की स्थापना करा दी। इन सबके मूल में एक आदर्श राज्य बनाने की सोच थी, जहां युवाओं के रोजगार सुरक्षित हों, अवसर मिले। लेकिन आज भी लोगों की आंखों की नमी कम नहीं हुई। पच्चीस साल बाद उत्तराखंड का युवा फिर उसी जद्दोजहद में फंसा दिख रहा है तो मानना चाहिए कि इसके पीछे कई पेंच हैं। उसके स्वर आज भी यही हैं कि हमारे साथ अन्याय हो रहा है। जिस जवानी को उत्तराखंड के भविष्य के साथ जोड़कर देखा जा रहा है, उसके सीधे सवाल हैं– इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए, परीक्षा को रद्द किया जाए, अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वे यह भी कह रहे हैं कि अब पुलिस ने जो कार्रवाई की है, वह उनके दिए तथ्यों के आधार पर की है। पुलिस ने अपने स्तर पर क्या किया है? और सरकार का ठोस कानून युवाओं के हितों का संरक्षण क्यों नहीं कर पा रहा है? निश्चित ही युवा यह भी चाहते हैं कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिये जाएं। आखिर उन्हें लगता है कि अन्याय हुआ है, तो आवाज उठाने से उन्हें क्यों रोका जाए? यह सवाल पूरे उत्तराखंड में उठ रहा है कि असल चूक कहां हो रही है? इस पूरे जाल को कैसे ध्वस्त किया जा सकता है? युवाओं में शासन के प्रति विश्वास कायम रहना चाहिए। कुछ ताकतें स्थितियों को अराजकता की ओर ले जाने के लिए तत्पर रहती हैं। ऐसे में सावधानी बरतते हुए युवाओं को अपनी बात सक्षम तरीके से रखनी होगी। लेकिन इसके लिए सरकारों से भी उनके प्रति संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है। अब युवाओं में भरोसा जगाना चाहिए कि एक चुनी हुई सरकार उनके साथ खड़ी है, उनकी चिंता को समझ रही है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नेताओं–अभिनेताओं के कुनबे में कुचलता हुनर

उन्हें डर था कि फिल्मी दुनिया में इन कुनबों की इतनी ताकतवर लाबीज हैं कि उन्हें थोड़ा–बहुत जो काम मिलता है, वह भी बंद हो जाएगा। इस बारे में एक तर्क यह दिया जाता है कि यदि डाक्टर का बच्चा डाक्टर बन सकता है, इंजीनियर का बच्चा इंजीनियर बन सकता है, तो नेता का बच्चा नेता और अभिनेता का बच्चा अभिनेता क्यों नहीं बन सकता। एक समय तक...

भारत के लोकतंत्र और फिल्म उद्योग में परिवारवाद इस कदर गहराया है कि सत्ता, अवसर और पहचान कुछ चुनिंदा परिवारों तक ही सीमित होकर रह गई है, जिससे आम जनता को बराबरी का हक नहीं मिल पाता। अपने देश में लोकतंत्र है। इसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, लेकिन यहां अब भी सामंतवाद की जड़ें बेहद गहरी हैं। इसका उदाहरण राजनीतिक दलों को देखकर मिलता है। फिल्मी दुनिया, जो अपने को देश–काल की सीमाओं से परे बताती है, में भी ऐसा ही है। अपने देश के अधिकांश राजनीतिक दलों की अगली पीढ़ी के रूप में नेताओं के बाल–बच्चे ही दिखाई देते हैं। पिता ही पुत्र का राजा की तरह राज्याभिषेक कर देते हैं। जिस तरह राजा की गद्दी उसके बेटे को ही मिलती थी, राजनीति में भी इसे बखूबी देखा जा सकता है। हां, कभी–कभार इसमें बेटियों, बहनों या पत्नियों को शामिल कर लिया जाता है। यानी कि हर हाल में सत्ता चाहिए। वह अपने बाद भी हमेशा बनी रहनी चाहिए। इसमें भी वारिस या उत्तराधिकार का नियम लागू है। बिहार के एक वरिष्ठ नेता, जो जयप्रकाश नारायण के कांग्रेस विरोधी आंदोलन की नैया पर सवारी करते हुए राजनीति के शिखर पर आए, ने एक बार कहा था कि यदि हम अपने बच्चों की मदद नहीं करेंगे, तो क्या हमारे बच्चे भीख मांगेंगे। इसी तरह एक बार बोले थे कि अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री न बनाएं, तो क्या तुम्हारी पत्नी को बनाएं।

उत्तर प्रदेश की एक पार्टी के बाईस परिवार जन राजनीति में बताए जाते हैं। हाल ही में फेसबुक पर किसी ने लिखा था कि बिहार की राजनीति में अनेक दलों में परिवार के सत्ताईस प्रतिशत लोग हैं। अपने परिवारजनों को आगे बढ़ाने में कोई भी दल पीछे नहीं है। महाराष्ट्र से लेकर झारखंड, हिमाचल, जम्मू कश्मीर, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा बंगाल कहीं भी देख लीजिए। यानी कि बात तो आम जनता की होती है, लेकिन उसके प्रतिनिधित्व के नाम पर दलों के उच्च पद हमेशा परिवार जनों को ही मिलते हैं। ऐसा क्यों मान लिया जाता है कि नेतृत्व देने की सारी क्षमता सिर्फ राजनेताओं के परिवारों के पास ही होती है। दरअसल तो यह शक्तिपूजक देश है। एक बार जो ताकत का स्वाद चख लेता है वह उसे कभी खोना नहीं चाहता। राजनीति से ज्यादा शक्ति भला और किसके पास हो सकती है। बात चाहे जितनी गरीबी और साधनहीनता की की जाए, बाय द पीपुल, फार द पीपुल, आफ द पीपुल की हो, हर बात पर लोकतंत्र और सबकी बराबरी का ढोल पीटा जाए, असली मकसद साधनों का बेहिसाब जुगाड़ ही होता है। वर्ना तो ऐसा कैसे होता है कि राजनीति में आते ही एकाएक लोगों की आर्थिक स्थिति छलांगें मारती आकाश छूने लगती है। कहा ये जाता है कि ये सारी आर्थिक ताकत भी समर्थक जुटाते हैं। साइकिल पर चलते नेता जी अचानक मर्सिडीज और पोर्श में नजर आने लगते हैं। और जब वह हर तरह की बेशुमार ताकत एक बार मिल गई, तो भला कौन इसे जाने दे। लोगों के बीच वर्षों लगाकर जो जगह बनाई उसे किसी बाहर वाले को क्योंकर हड़पने दिया जाए। इसलिए सबसे पहले अपने ही बाल–बच्चों, अन्य परिवारजनों का ख्याल आता है। कहते हैं न कि घुटने हमेशा पेट की ओर ही मुड़ते हैं। हर चुनाव से पहले चुनावों और राजनीतिक प्रक्रिया में सुधार की बातें की जाने लगती हैं। मगर सुधार करने वाले भी तो वही होते हैं, कानून भी वही बनाते हैं जिन्हें सुधरना है। आखिर वास्तविक लोकतंत्र चाहिए ही किसे। सत्ता, चाहे जैसे मिले, मिलनी चाहिए। इसे ही अंग्रेजी में नेपोटिज्म कहते हैं। जिसके मायने हैं कि अपने अधिकार का प्रयोग करके परिवार के सदस्यों को लाभ पहुंचाना। इसे ही भाई–भतीजावाद या कुनबापरस्ती कहते हैं। इन दिनों लोगों के जीवन को दो ही चीजें सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं– राजनीति और चकाचौंध से भरी फिल्मी दुनिया। फिल्मी दुनिया में भी कुनबापरस्ती या नेपोटिज्म का बोलबाला है। अब यहां कोई मिठुन चक्रवर्ती या धर्मेंद्र नहीं मिलता। कंगना राणौत जैसी भी कोई–कोई ही होती हैं, जिन्होंने इस दुनिया में प्रवेश के लिए कठिन संघर्ष किया। एक आध नवाजुद्दीन सिद्दीकी हो तो हो। जिस तरफ देखो उधर अपने ही बच्चों का बोलबाला है। यदि इनसे इस बारे में पूछा जाए तो बहुत से कहते हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। हमें भी बहुत पापड़ बेलने पड़े हैं। कुछ बेबाक होते हैं, तो प्रति सवाल करते हैं कि आखिर नेपोटिज्म कहां नहीं है। और अब तो इसी प्रकार की तीसरी पीढ़ी भी फिल्मों में जगह बना रही हैं। उदाहरण के तौर पर राजकपूर की तीसरी पीढ़ी रणबीर कपूर, करिश्मा कपूर और करीना कपूर हैं। धर्मेन्द्र की तीसरी पीढ़ी सनी दयोल के बेटे करन हैं। अमिताभ बच्चन की तीसरी पीढ़ी अगस्त्य नंदा हैं, जो उनकी बेटी श्वेता के बेटे हैं। ये बच्चे हैं जिनके मुंह में चांदी की चम्मच हमेशा रही है, इसीलिए अगर ध्यान से देखें तो इस दौर में अब गरीबी और संघर्ष की बातों के मुकाबले उच्च मध्यवर्ग और अमीरों की जीवन शैली दिखाने वाली फिल्में अधिक बनती हैं। करीना कपूर के बेटे तैमूर का जन्म जब हुआ था, तो लिखा गया था– ए स्टार इज बोर्न। इसी तरह की बातें अभिषेक–ऐश्वर्य की बेटी आराध्या के जन्म पर भी कही गई थीं। फिल्मी दुनिया में कुनबापरस्ती की बात जिस अभिनेत्री ने जोर–शोर से उठाई थी, वह हैं कंगना रणौत। वह खुलेआम इस बात की आलोचना करती रही हैं। एक बार करन जौहर के कार्यक्रम– काफी विद करन में उन्होंने करन को ही नेपोटिज्म का एपीटोम कहा था। लेकिन वे लोग, जो इससे भारी संख्या में प्रभावित हैं, उन तक ने कंगना का साथ नहीं दिया था।

भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने किया कालानमक चावल पर शोध कार्यों का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

नत्थापुर/सिद्धार्थनगर। कृषि विज्ञान केंद्र सोहना सिद्धार्थनगर में आज भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान (मुंबई) के वैज्ञानिकों ने कालानमक चावल पर चल रहे शोध कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान मुंबई से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विकास कुमार, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या के फसल अनुसंधान केंद्र मसौधा के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ दीक्षित तथा कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत, श्री प्रदेश कुमार एवं डॉ. मार्कण्डेय सिंह उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने कालानमक चावल की सुगंध, उत्पादकता और गुणवत्ता पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि कालानमक चावल उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर धान है, जिसे बुद्ध का आशीर्वाद भी कहा जाता है। इसकी पहचान को संरक्षित रखते हुए किसानों तक अधिक उत्पादक एवं रोग प्रतिरोधी प्रजातियाँ पहुँचाना समय की आवश्यकता है। भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित कालानमक के प्रभेदों एवं आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, कुमारगंज द्वारा विकसित कालानमक प्रभेदों का परीक्षण वर्तमान में कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में चल रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले समय में इन परीक्षणों से कालानमक की उच्च उत्पादक एवं सुगंधित प्रजातियाँ किसानों के लिए उपलब्ध कराई जा सकेंगी, जिससे उन्हें अधिक लाभ होगा और यह चावल वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सकेगा। कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के वैज्ञानिकों ने बताया कि संस्थान निरंतर किसानों के हित में काम कर रहा है और कालानमक की प्राचीनता व गुणवत्ता को बनाए रखते हुए आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से इसे और बेहतर बनाने का प्रयास जारी है। इस निरीक्षण कार्यक्रम ने किसानों और वैज्ञानिकों के बीच शोध सहयोग को नई दिशा दी है और उम्मीद जताई गई है कि कालानमक चावल की खेती भविष्य में और भी लाभकारी एवं व्यापक बनेगी।

हिंडाल्को रेनुसागर में 65 फीट रावण का बनाया जा रहा पुतला

दैनिक बुद्ध का संदेश

अनपरा/सोनभद्र। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुसागर में यूनिट हेड आरपी सिंह के मार्गदर्शन में इस वर्ष भी 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व की भव्य तैयारियां पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ चल रही हैं। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आशय की जानकारी श्री रेनुसागर रामलीला समिति के अध्यक्ष नवीन पाठक ने बताया कि आदित्य बिड़ला इंटर मीडिएट कालेज रेनुसागर के मैदान में विशाल रावण के पुतले का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी ऊंचाई लगभग 65 फीट होगी। जिसको बनाने में दो दर्जन से अधिक कर्मचारी लगे हैं। आयोजन समाज को यह संदेश देता है कि बुराई चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंततः अच्छाई की ही विजय होती है। स्थानीय कलाकारों की भागीदारी से मुख्य आकर्षण रामलीला मंचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम में रहेगा। लक्ष्मण–मेघनाद संवाद, राम–रावण युद्ध, मेघनाद वध, रावण वध, जब रावण मृत्युशय्या पर होता है तब भगवान श्रीराम लक्ष्मण को यह आदेश देते हैं कि वे रावण से नीति और ज्ञान की शिक्षा लें। लक्ष्मण पहले रावण के सिर की ओर खड़े होकर उपदेश मांगते हैं, लेकिन रावण कुछ नहीं कहता। जब श्रीराम पुन: लक्ष्मण को निर्देश देते हैं कि वे रावण के चरणों की ओर खड़े होकर विनम्रता से ज्ञान प्राप्त करें तब रावण अपने अंतिम समय में अमूल्य जीवन दर्शन और राजनीति की बातें बताता है। हिंडाल्को प्रबंधन की ओर से बताया गया कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को प्रकट करता है बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी सशक्त बनाता है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और आगंतुकों की सुविधा हेतु विशेष प्रबंध किए गए हैं। सभी रेनुसागर वासियों एवं समीपवर्ती क्षेत्रों के नागरिकों से आग्रह किया जाता है कि वे सपरिवार इस आयोजन में पधारें और बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पर्व का हिस्सा बनें। इस अवसर पर रोहित सक्सेना, संजीव श्रीवास्तव एवं सदानन्द पांडेय ने रावण के पुतले से सम्बन्धित जानकारी साझा की।

पूर्व विधायक ईश्वर चंद शुक्ल की पांचवीं पुण्यतिथि मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। मूरती देवी स्मारक महाविद्यालय पकड़ी में महाविद्यालय के संस्थापक प्रबंधक स्वर्गीय ईश्वर चंद शुक्ल की पांचवी पुण्य तिथि शुक्रवार को महाविद्यालय परिवार द्वारा मनाई गई। इस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण करके उन्हें याद किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में उनके स्मृतियों को याद किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉक्टर जे एन मिश्र ने कहा कि स्वर्गीय ईश्वर चंद शुक्ल ने सामाजिक उत्थान के साथ शैक्षिक उन्नयन के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किया। महाविद्यालय की स्थापना करके उच्च शिक्षा की दिशा में सार्थक कार्य किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रभात शुक्ल सहित महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र, छात्राएं उपस्थित रहीं।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने बैठक कर टेट की अनिवार्यता पर जताया विरोध

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सिद्धार्थ नगर (सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) की एक आवश्यक बैठक जिला संरक्षक सतीश चन्द्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय बांसी पर की गई स बैठक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देश के शिक्षकों को टी ई टी अनिवार्यता की बाध्यता से मुक्त किए जाने के लिए विचार विमर्श किया गया स इस अवसर पर शिक्षकों के द्वारा काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन भी किया गया स बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा की टेट की अनिवार्यता को खत्म करने के लिए भारत सरकार को आगे बढ़कर 2017 एनसीटीई की नियमावली में संशोधन किया जाना आवश्यक है स केंद्र की सरकार को सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर शिक्षकों को इससे निजात दिलाने के लिए आगे आना चाहिए स इसके लिए शिक्षक कभी भी पीछे नहीं हटेगा स जब तक इस निर्णय को बदला नहीं जाएगा तब तक हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा स संरक्षक सतीश चंद्र त्रिपाठी ने संगठन की एकता और मजबूती पर बल देते हुए शिक्षकों के अन्य समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हमें एकजुट होकर जनपद के अधिकारियों से मिलकर समस्याओं को दूर कराने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना है स हमें अपनी एकजुटता बनाई रखनी होगी स टेट की अनिवार्यता को खत्म कराने के लिए शिक्षकों के हक की इस लड़ाई को पूरी ताकत से लड़ा जाएगा, चाहे वह रास्ता कोर्ट का हो या आंदोलन का, शिक्षक हित में संघर्ष जारी रहेगा स कोषाध्यक्ष मिर्जा महबूब हसन ने कहा कि यह केंद्र सरकार की कमी है कि उसने 2017 में एनसीटीई में एक नियम पारित किया कि देश के बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों को टेट करना अनिवार्य होगा स कार्यरत सभी अध्यापकों को टेट करना अनिवार्य होगा स भारत सरकार ने इस चीज का ध्यान नहीं दिया कि 2011 के पहले जिन शिक्षकों की नियुक्ति हुई है उनकी सेवा शर्तें क्या थीं स बैठक का संचालन करते हुए जिला मंत्री विजयेंद्र मिश्रा ने कहा कि पूरे जनपद के शिक्षक आज तमाम समस्याओं से घिरे हुए हैं, सरकार द्वारा ऐसे ऐसे ऐपों के माध्यम से शिक्षकों से काम लिया जा रहा है जिससे शिक्षक मानसिक रूप से बहुत ही परेशान है और ऊपर से 2011 के पहले नियुक्त शिक्षकों पर ऊप अनिवार्य कर दिया गया स शिक्षक समस्याओं से कराह रहा है और संघ की तरफ देख रहा है स हम संगठन के लोग हमेशा ही शिक्षकों की समस्याओं के लिए लड़ते रहेंगे। बैठक को अनिल कुमार मिश्रा, दुर्गेशारुननिशा, नंदीश्वर यादव, वीरेंद्र मौर्या, भुवनेश्वरी श्रीवास्तव, रवी यादव, शाहाब मजरुह, आफताब अहमद, दिवाकर मिश्रा ने भी संबोधित किया स इस अवसर पर संरक्षक सतीश, रवी यादव, मुजीबुर रहमान, नरसिंह यादव, अनुज कुमार मिश्रा, रविंद्र सिंह सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे।

लाखों रुपये की लागत से बने सामुदायिक शौचालय में लटक रहे ताले, खुले में शौच करने को मजबूर ग्रामवासी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सिद्धार्थनगर जनपद को ओडीएफ घोषित किया जा चुका है। जिसमें बढ़नी ब्लाक के करीब 77 ग्राम पंचायत भी शामिल हैं। जबकि सही तरीके से सामुदायिक शौचालयों की जांच की जाये तो बहुत ऐसे शौचालय हैं, जहां पानी की कोई व्यवस्था नहीं है या फिर हमेशा ताले लटकते रहते हैं। ताजा मामला ग्राम पंचायत सोहनकोला का बताया जा रहा है। जहां ग्राम पंचायत को खुले में शौच मुक्त करने के लिए बना सामुदायिक शौचालय बदहाल है। लाखों खर्च के बाद भी ताले लटके हुए हैं। स्वयं सहायता समूहों को संचालन की जिम्मेदारी मिली है पर वे निष्क्रिय हैं। स्थानीय लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह शौचालय काफी दिनों से बन्द पड़ा हुआ है और यहां पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। लोग खुले में शौच जाने को मजबूर हैं और जिम्मेदार अधिकारी भी इस मामले पर मौन धारण किये हुए हैं।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी बेटियाँ, साहसी महिलाओं को किया गया सम्मानित

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सुरक्षा व स्वावलंबन का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "मिशन शक्ति फेज 5.0" के तहत आज दिनांक 26 सितम्बर, 2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के रामलीला मैदान में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। इस जागरूकता अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक सदर भूपेश चौबे तथा विधायक घोरावल अनिल मौर्या उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा की गई जबकि मुख्य चिकित्साधिकारी सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण कार्यक्रम में शामिल हुए। विद्यालय के छात्राओं को सुरक्षा, अधिकारों तथा सहायता हेतु संचालित विभिन्न सरकारी अभियानों एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को महिला एवं बाल सुरक्षा, "गुड टच–बैड टच", साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। इसके साथ ही 1090 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (बाल हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) जैसे टोल फ्री नंबरों के बारे में बताया गया और उन्हें इन नंबरों के उपयोग के प्रति प्रेरित किया गया। स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक से हुई जिसमें बालिकाओं ने आत्मरक्षा, लैंगिक समानता, तथा महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया।

साहसी महिलाओं को सम्मानित किया गया

कार्यक्रम के दौरान साहसिक कार्यों के लिए दो महिला आरक्षियों सहित कुल 09 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके द्वारा समाज में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए सराहनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

प्रमुख अधिकारीगण की उपस्थिति

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रूबी प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारू द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज माधव सिंह, थानाध्यक्ष महिला थाना रॉबर्ट्सगंज सविता सरोज, चौकी प्रभारी कस्बा रॉबर्ट्सगंज शिवकुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित अधिकारियों द्वारा मिशन शक्ति की भावना को आत्मसात करते हुए महिलाओं को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

उसका बाजार का ऐतिहासिक रामलीला आज से

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। श्री पयोहारी आश्रम उसका बाजार द्वारा प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्र में होने वाला ऐतिहासिक रामलीला कल 27 सितंबर दिन शनिवार को आश्रम में भगवान के सम्मुख मंगला चरण से शुरू होगा। श्री पयोहारी आश्रम उसका बाजार के महंत लाल बहादुर दास ने बताया कि दो सदी से अधिक समय से चले आ रहे रामलीला का शुभारंभ शनिवार से होगा और रामलीला बाग उसका राजा में विजय दशमी के दिन भव्य दशहरा मेला लगेगा। रविवार 28 सितंबर को कूड़ा नदी के तट पर आश्रम के सामने राम केवट संवाद का सजीव मंचन होगा। तत्पश्चात भगवान प्रभु श्रीराम अपनी पत्नी सीता एवं भाई लक्ष्मण जी के साथ गंगा पार करेंगे। दुखी मांझी घाट पर प्रभु के आगमन पर नगरवासियों द्वारा स्वागत कार्यक्रम होगा। सोमवार 29 सितंबर को शाम में पुलिस सहायता केंद्र के पास जानकी हरण का सजीव मंचन होगा। इसी जगह पर 30 सितंबर दिन मंगलवार को शाम को बाली वध एवं सुग्रीव मित्रता का झांकी के साथ सजीव मंचन होगा। पहली अक्टूबर दिन बुधवार को शाम को रामलीला बाग उसका राजा में लंका दहन का मंचन होगा। गुरुवार 2 अक्टूबर को विजयादशमी के अवसर पर रामलीला बाग में भव्य एवं आकर्षक दशहरा मेला का आयोजन होगा। मेला में रावण का भव्य पुतला बनाया जाएगा। सेतु बंध, राम–रावण युद्ध का सजीव मंचन होगा। रावण के पुतला दहन होने के बाद मेला का समापन होगा। शनिवार 4 अक्टूबर को प्रभु श्रीराम का नगर भ्रमण एवं भरद्वाज आश्रम उसका बाजार में भरत मिलाप एवं रामराज्याभिषेक के बाद रामलीला सम्पन्न होगा।

मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को लेकर किया अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्राधिकारी सर्किल के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मधीन प्रकाश ने क्षेत्र के आमजन लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग रात्रि में अपने घरों में रहें और अपने घर की सुरक्षा का ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं तथा कानून अपने हाथ में न लें। मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं में संलिप्त पाये जाने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरन्त पुलिस को दें। वहीं रात्रि में घूम घूम कर थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ सन्तोष कुमार तिवारी भी पब्लिक के साथ ऐसी अपील कर रहे हैं

बीआरसी परसा (बढ़नी) पर एफएलएन प्रशिक्षण के चतुर्थ बैच हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

परसा/सिद्धार्थनगर। बीआरसी परसा में शुक्रवार को निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) तथा एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकों पर आधारित समस्त प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालय के प्र0अ0, स0अ0 एवं शिक्षामित्रों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण के तहत चतुर्थ बैच के प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का शुरुआत परसा खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि विभिन्न विद्यालयों से आये सौ प्रतिभागी शिक्षकों का अलग–अलग दो कमरों में रजिस्ट्रेशन किया गया था। वहीं प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन के बाद ऑनलाइन मोड में निर्धारित प्री टेस्ट दिया था। प्रशिक्षक सन्दर्भदाता विनीत भास्कर, राम राज चौधरी, विष्णु त्रिपाठी, अरविन्द कुमार आर्य, कुमार कमलेश्वर सिंह ने विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षामित्र को निपुण विद्यालय बनाने के लिए भाषा व गणित के सन्दर्शिका आधारित शिक्षण कार्य करने, ट्रैकर, कार्यपत्रक, निपुण तालिका व शिक्षक डायरी को भरने का तरीका बताया गया। समूह कार्य के माध्यम से सप्ताह के कार्य का तरीका सीखा। प्रशिक्षण के प्रथम फेरे के तहत दो अलग–अलग कमरों में 50–50 शिक्षकों व शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया था। इस दौरान प्रशिक्षण में प्रतिभागी राजीव त्रिपाठी, अश्वनी पाण्डेय, संदीप कुमार, नीरज सोनकर, देवेन्द्र सिंह, सुनील कुमार, दिनेश मिश्रा, संदीप शुक्ला, टीपू सुल्तान, आशुतोष सिंह, अजय गौड़ अजय यादव, विनोद कुमार यादव, आशुतोष कुमार मिश्रा, बाबूलाल, राम सूरत यादव, बलिराम यादव, दिनेश चौधरी, अमर नाथ तिवारी, सतीश कुमार, अंगद यादव, मेराज अहमद, अनवर सादात, राजेन्द्र यादव, बजरंगी शुक्ला, दयादित्य सिंह, चन्द्रभान, अनीता गिरि, अंजु चौधरी, अनुपम तिवारी, अकणिमा चौधरी, अपर्णा सिंह, संजू द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टीकाकरण से इनकार करने वाले परिवारों को अधीक्षक ने समझा बुझाकर कराया टीकाकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। टीकाकरण करने से इनकार किए परिवारों से सीएचसी बसंतपुर के अधीक्षक धर्मेंद्र चौधरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में जाकर भ्रमण किया और ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्हें समझा बुझाकर टीकाकरण कराया। शुक्रवार को अधीक्षक डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्रामसभा चुपा राजा के ग्राम कठही में पहुंची। जहां गांव का भ्रमण किया गया और उन परिवारों से मुलाकात किया गया जिन्होंने बच्चों का टीकाकरण नहीं कराया था। अधीक्षक ने ऐसे परिवारों को समझा बुझाकर टीकाकरण न कराने से होने वाले दुष्परिणामों को बताया तथा उन्हें टीका के प्रति प्रोत्साहित कर परिवार के बच्चों को टीकाकरण कराया गया। पूरे गांव में कुल 9 बच्चे टीकाकरण से वंचित रह गए थे, उन्हें टीकाकरण किया गया। अधीक्षक के साथ टीम में बीसीपीएम प्रदीप कुमार जादव, सुपरवाइजर वैभव श्रीवास्तव, सत्यकांत व क्षेत्रीय कर्मचारी मौजूद रहे।

सार्वजनिक रास्ते की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी से की शिकायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली तहसील क्षेत्र ग्राम पंचायत उड़ढा के राजस्व महुआ के ग्रामीणों को आने जाने बदहाल स्थिति का सामना छः महीने से करना पड़ रहा है वहीं के निषाद पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद ने ग्रामीणों को साथ लेकर रुधौली तहसील पर उपजिलाधिकारी को सार्वजनिक को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद ने बताया कि सार्वजनिक रास्ता रामबक्स के घर से लेकर धनपत के घर तक जाने वाली रास्ते को गांव के ही रामसूरत, रामनयन पुत्र महगू जो बिना किसी हक और अधिकार के जबरन कब्जा किया जब गांव के लोगों द्वारा इसका विरोध करते है तो विपक्षी द्वारा माँ – बहन कि भद्दी – भद्दी गाली दी जाती है जबरन कब्जा के कारण रास्ते कि स्थिति काफी बदहाल होने कि वजह से रास्ते में जल जमाव भरा पड़ा हुआ जिससे लोगों के आने काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है और कई बार गांव के लोग चोटिल भी हो चुके है ऐसे गांव के अखिलेश, रामकिशोर, रविशंकर, आकाश, रमेश, अजीत, सुमिरन निषाद, शिव कुमार निषाद, चन्द्र प्रकाश, जीतेंद्र, संजय, आजाद, अखिलेश कुमार, आदि दर्जनों लोगों ने ज्ञापन सौंपा।

जिला कारागार का जनपद न्यायाधीश, डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बहराइच विराट शिरोमणि, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रतिभा चौधरी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ जिला कारागार का निरीक्षण कर कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को मुहैय्या करायी जा रही सुविधाओं व कारागार की साफ–सफाई इत्यादि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कारागार निरीक्षण के दौरान उच्चाधिकारियों ने पाकशाला, चिकित्सालय सहित विभिन्न बैरकों का भी निरीक्षण किया। महिला बैरक के निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश ने डीएम, एसपी, अपर जिला जज, सीजेएम के साथ कारागार में निरुद्ध महिला बन्दियों के साथ रह रहे बच्चों को कपड़ा, खिलौना, बिस्कुट व चॉकलेट इत्यादि का वितरण भी किया। पाकशाला के निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई, भोजन की गुणवत्ता तथा अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक पायी गईं। जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक राजीव कुमार सिंह, जेलर अजय कुमार झा, डिप्टी जेलर अंकित कुमार व माधुरी तिवारी, डॉ अनिल कुमार वर्मा व अन्य संबंधित मौजूद रहे।

वन्यजीव हमले में घायल महिला का कुशल क्षेम जानने चिकित्सालय पहुंचे डीएम बहराइच

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने महाराजा सुहेल देव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के महर्षि बालार्क चिकित्सालय पहुँच कर आज दिनांक 26 सितम्बर 2025 को प्रातःकाल वन्य जीव हमले में घायल हुई सावित्री देवी पत्नी हनुमान नि. बलखानपुरवा दा. मंझारा तौकली आयु लगभग 56 वर्ष का कुशल क्षेम पूछा। डीएम त्रिपाठी ने सावित्री देवी के साथ–साथ चिकित्सालय में पूर्व से भर्ती प्रिंस व अंकेश का कुशल क्षेम पूछा तथा मौके पर मौजूद मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एम.एम. पाण्डेय को निर्देश दिया कि वन्यजीव हमले में घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाय। डॉ. त्रिपाठी ने जिलाधिकारी को बताया कि वन्य जीव हमले में घायल तीनों भर्ती मरीज स्वस्थ हैं। उल्लेखनीय है कि आज प्रातःकाल वन्यजीव के हमले में सावित्री देवी के अतिरिक्त दयालपुरवा नि. हरिश्चन्द्र पुत्र दुजई आयु लगभग 45 वर्ष भी मामूली रूप से घायल हुए थे। जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कैसरगंज पर प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

ससुराल में चल रही तनातनी से परेशान होकर विवाहिता ने लगाई सरयू नदी में छलांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आपसी घरेलू कलह से तंग आकर परेशान विवाहिता ने देर शाम मायके जाते वक्त चहलारीघाट पुल पर बाइक रोकवाकर सरयू नदी में छलांग लगा दिया और तेज बहाव में बह गई एवं दूसरे दिन भी पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने महिला की तलाश की लेकिन पता नहीं चल पाया। मिली जानकारी अनुसार मिठौरा निवासी फौजदार की बेटी शालू (20) की शादी चार महीने पहले सीतापुर जिले के थानगांव थाना क्षेत्र के कोडर में हुई थी. शुरुआत में सब ठीक ठाक था, लेकिन कुछ समय बाद ससुराल में बात–बात पर शालू की कहासुनी होने लगी। परेशान शालू ने अपने घरवालों से संपर्क कर मायके आने की बात कही। शालू को लेने उसके फुफेरे भाई ससुराल पहुंचे। देर शाम घर लौटते समय जब सभी चहलारीघाट पुल पर पहुंचे, तो शालू ने मोबाइल गिरने का बहाना बनाकर बाइक रोकने के लिए कहा और बाइक से उतरकर पुल से नदी में कूद गई. परिजन और आसपास के लोग दौड़े, लेकिन वह तेज धारा में बह गई। दूसरे दिन भी पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने पूरे दिन नदी को खंगाला लेकिन पता नहीं चल पाया। थाना प्रभारी हरदी आलोक सिंह ने बताया कि शुक्रवार को भी फिर से खोजबीन की जा रही है।

घटे जीएसटी का लाभ गायब, बाजार में अब भी जारी पुराने रेट

कागज़ों में ही सिमटी राहत, घटे कर का फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुँचा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं पर लागू जीएसटी दरों में 22 सितंबर से की गई कमी का लाभ आम जनता तक पहुँचता दिखाई नहीं दे रहा है। बाजारों में दुकानदार अब भी पुराने दामों पर ही सामान बेच रहे हैं। उपभोक्ता घटे हुए टैक्स का लाभ पाने की उम्मीद लेकर दुकानों पर पहुँच रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। जानकारी के अनुसार, सरकार ने दैनिक उपयोग की कई वस्तुओं पर जीएसटी दरें कम कर दी थीं, ताकि महंगाई का बोझ कम हो सके और उपभोक्ता राहत महसूस कर सकें। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दुकानदार घटे हुए टैक्स का सीधा लाभ ग्राहकों को नहीं दे रहे हैं। दुकानों और बाजारों में वस्तुएँ पहले की तरह ही पुराने रेट पर बेची जा रही हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को लग रहा है कि सरकार का आदेश केवल कागजों पर ही सीमित रह गया है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि जब सरकार ने जीएसटी कम किया है तो उसका असर कीमतों पर साफ दिखाई देना चाहिए था। लेकिन दुकानदार अपनी मनमानी पर उतरे हुए हैं। कई उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि दुकानदार उन्हें पुरानी रेट लिस्ट दिखाकर ठगने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, व्यापारी संगठन यह तर्क दे रहे हैं कि पहले से खरीदे गए स्टॉक पर पुराने रेट लागू होने की वजह से फिलहाल दामों में बदलाव करना संभव नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि व्यापारी संगठन और दुकानदार सरकार के आदेशों का पालन नहीं करेंगे तो जीएसटी घटाने का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। ऐसे में प्रशासन को सख्ती बरतते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर लाभ पहुँचे। जनता की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि सरकार तो राहत देने की कोशिश कर रही है, लेकिन व्यापारी खुलेआम आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं।

यदि यही स्थिति बनी रही, तो घटा हुआ जीएसटी केवल कागजी राहत बनकर रह जाएगा और उपभोक्ताओं को वास्तविक लाभ नहीं मिल पाएगा। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस पर कब तक सख्त कार्रवाई करता है और जनता को वास्तविक लाभ दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

महिला कल्याण विभाग द्वारा नारी सशक्तिकरण पर सेवा पखवाड़ा का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया है कि निदेशालय महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा 2025 स्वस्थ नारी सशक्त परिवार 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी पवन अग्रवाल के निर्देशन में दिनांक 26.09.2025 को महिला कल्याण विभाग की जिला बाल संरक्षण इकाई, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन टीम एवं वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा अनमोल संकल्प संघ स्तरीय समूह सी.एम.टी.सी. प्रशिक्षण संस्थान, ब्लॉक कौवापुर, महाराजगंज तराई, जनपद–बलरामपुर में बालिकाओं, महिलाओं, अध्यापिकाओं व अन्य स्टाफ को घरेलू हिंसा व कानूनी अधिकारों हेतु जागरूकता कार्यशाला के सम्बन्ध में कार्यक्रम किया गया। संस्थान में उपलब्ध बालिकाओं व महिलाओं को कार्यस्थल पर किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न से सुरक्षा का अधिकार महिला को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुरक्षित माहौल में काम करने का अधिकार किसी भी तरह की धमकी शोषण आदि के बारे में जानकारी दी गई एवं कानूनी अधिकारों हेतु सभी महिलाओं को जानकारी दिया व विस्तृत रूप से बताया गया। संस्थान में उपलब्ध सभी महिला एवं पुरुष को हेल्पलाइन नम्बर्स यथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन/पुलिस हेल्पलाइन 112, एम्बुलेंस हेल्पलाइन 108 व 102, रेलवे हेल्पलाइन 139 व 182 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में व अन्य हेल्पलाइन की विशेषताओं के बारे में भी बताया गया। साथ ही संस्थान के बालिकाओं, महिलाओं अध्यापक, अध्यापिकाओं व अन्य को विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के विषय में भी जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के ब्लॉक मिशन कोऑर्डिनेटर व अन्य स्टाफ, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम से सुपरवाइजर, वन स्टॉप सेंटर की टीम से साइको सोशल काउंसलर तथा अन्य संस्थान स्टाफ उपस्थित रहे। साथ ही साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाये जा रहे अभियान मिशन शक्ति 5.0 के उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वालम्बन पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की गई जिसमें कुल 58 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर इमलिया बनघुसरा में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज आयुष्मान आरोग्य मंदिर इमलिया बनघुसरा में एक विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ रस्तोगी ने कहा कि स्वस्थ महिला ही एक सशक्त परिवार और समाज की आधारशिला होती है। उन्होंने महिलाओं और किशोरियों से आग्रह किया कि वे व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने यह भी बताया कि आज के दौर में महिलाओं को स्वास्थ्य के साथ–साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। शिक्षा, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं अपनी भूमिका और भी सशक्त बना सकती हैं। सीएमओ ने ग्रामीण परिवेश में स्वच्छता की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि छोटे–छोटे उपाय, जैसे– नियमित हाथ धोना, स्वच्छ पेयजल का उपयोग, खुले में शौच से बचाव और पौष्टिक भोजन का सेवन, गंभीर बीमारियों से बचाव में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने किशोरियों को विशेष रूप से मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी जानकारी दी और इस विषय पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला डॉ चंद्र प्रकाश, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिखर मणि त्रिपाठी सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर मिशन शक्ति के उद्देश्यों को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। यह जनजागरूकता कार्यक्रम महिलाओं और किशोरियों के लिए न केवल जानकारी का स्रोत बना बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में प्रेरित भी किया। सीएमओ ने अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला डॉ चंद्र प्रकाश को निर्देशित किया कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से गांव–गांव में जागरूकता अभियान चलाए जाते रहें।

भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा ने किया जिला कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को तुलसी पार्क स्थित अटल भवन कार्यालय पर जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कार्यकर्ताओं से हर घर स्वदेशी घर–घर स्वदेशी के बारे में विस्तृत रूप चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने किया मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की ओर से आयोजित किया जा रहे कार्यक्रमों पर चर्चा किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत को बनाने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में हर घर स्वदेशी घर–घर स्वदेशी अभियान चलाया जा रहा है। अभी दुर्गा पूजा एवं दीपावली सहित तमाम त्यौहार मनाए जाएंगे। ऐसे में सभी लोग स्वदेशी परिधान पहनकर स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें। पूर्व मंत्री एवं सदर विधायक पलटू राम ने कहा कि स्वदेशी निर्मित वस्तुओं से देश आत्मनिर्भर बनेगा। तभी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कोरोना काल में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के वैज्ञानिकों ने वैक्सीन का निर्माण करके पूरे विश्व को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि बढ़ते हुए भारत को विश्व हजम नहीं कर पा रहा है। पूरा दुनिया भारत और पाकिस्तान की बराबरी कर रही है जबकि पाकिस्तान पूरे विश्व में कटोरा लेकर घूम रहा है। उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा ने कहा कि भारत के ऊपर टैरिफ लगाकर दुनिया ने एक चुनौती दी है। जिसे सभी लोग स्वदेशी अपना कर दुनिया के देशों को मुंहतोड़ जवाब दें। जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका ने भारत पर 50 की टैरिफ लगाकर डरने का कार्य किया था। लेकिन पीएम मोदी एवं सीएम योगी के अगुवाई में भारत देश किसी से डरने वाला नहीं है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, चंद्र प्रकाश सिंह गुड्डू, अभियान संयोजक वरुण सिंह मोनू, सहसंयोजक अनुप चंद्र गुप्ता, आद्या सिंह, शिव प्रसाद यादव, महेंद्र पाण्डेय, अजय सिंह पिंकू, ब्लॉक प्रमुख हेमंत जायसवाल, राकेश तिवारी, महिपाल चौधरी, मनोज तिवारी, पंकज सिंह, गोविंद सोनकर, जिला महामंत्री डिंपु विश्वकर्मा, जिला मंत्री अवधेश तिवारी तरुण, सुनीता मिश्रा, संदीप वर्मा, मीडिया प्रभारी डीपी सिंह, जिला मीडिया सहसंयोजक अवधेश पाण्डेय, डॉ प्रांजल त्रिपाठी, श्याम मनोहर तिवारी, अनन्य गौरव मिश्रा, वीरेंद्र तिवारी, अंशुमान शुक्ला, संदीप उपाध्याय, जयंत सिंह धर्मू व मयूर सूर्यवंशी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

ससुराल में चल रही तनातनी से परेशान होकर विवाहिता ने लगाई घाघरा नदी में छलांग

पुलिस के प्रयास से विवाहिता को नदी से निकालने में मिली सफलता

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आपसी घरेलू कलह से तंग आकर परेशान विवाहिता ने देर शाम मायके जाते वक्त चहलारीघाट पुल पर बाइक रोकवाकर घाघरा नदी में छलांग लगा दिया और तेज बहाव में बह गई एवं पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने महिला की तलाश कई घंटे जारी रखा फिर डूबती हुई विवाहित युवती को बाहर निकाला। मिली जानकारी अनुसार मिठौरा निवासी फौजदार की बेटी शालू (20) की शादी चार महीने पहले सीतापुर जिले के थानगांव थाना क्षेत्र के कोडर में हुई थी. शुरुआत में सब ठीक ठाक था, लेकिन कुछ समय बाद ससुराल में बात–बात पर शालू की कहासुनी होने लगी। परेशान शालू ने अपने घरवालों से संपर्क कर मायके आने की बात कही। शालू को लेने उसके फुफेरे भाई ससुराल पहुंचे। देर शाम घर लौटते समय जब सभी चहलारीघाट पुल पर पहुंचे, तो शालू ने मोबाइल गिरने का बहाना बनाकर बाइक रोकने के लिए कहा और बाइक से उतरकर पुल से नदी में कूद गई. परिजन और आसपास के लोग दौड़े, लेकिन वह तेज धारा में बह गई। पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने नदी को खंगाला फिर कई घंटे के प्रयास के बाद डूब रही युवती को नदी से बाहर निकाला गया। थाना प्रभारी हरदी आलोक सिंह ने बताया कि शुक्रवार को भी फिर से खोजबीन की गई और विवाहिता को नदी से निकालने में कामयाब रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया नगर क्षेत्र में रूट मार्च/पैदल गश्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आज जुमे की नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने व शारदीय नवरात्रि के दृष्टिगत जनपद में शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा आमजन में सुरक्षा व पुलिस के प्रति विश्वास की भावना जागृत करने हेतु पुलिस अधीक्षक बहराइच,

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा व क्षेत्राधिकारी नगर पहुप सिंह द्वारा थाना कोतवाली नगर फोर्स के साथ घण्टाघर के आस–पास के क्षेत्रों व मुख्य बाजारों में पैदल मार्च किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मिश्रित आबादी वाले संवेदनशील क्षेत्रों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण किया गया तथा आमजन से संवाद कर सुरक्षा का एहसास दिलाया गया।

नाना के घर आया बालक कूड़ा नदी में लापता, तलाश जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। थाना क्षेत्र के कर्मा ग्राम पंचायत के टोला नौखनिया में ननिहाल आया एक आठ वर्षीय बालक शुक्रवार की दोपहर में पैर फिसलने से कूड़ा नदी में लापता हो गया। स्थानीय गोताखोरों और पुलिस ने काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। बालक यहीं के निवासी सुरेश का नाती अरुण (8) है। वह अपने पिता पिंकू के घर बोगटिहा लुंबिनी, नेपाल से तीन दिन पहले अपने नाना के घर आया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इसके नाना सुरेश नदी के किनारे अपनी नाव की सफाई कर रहे थे, इसी बीच अरुण भी आ गया और पैर फिसलने से वह नदी में गहराई में चला गया। जब तक लोग पहुंचते तब तक वह लापता हो गया। सूचना पर गोताखोरों के साथ एसओ हरेश्वर उपाध्याय मौके पर पहुँचे, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में पीएसी के गोताखोर स्टीमर के साथ काफी खोजबीन किया, देर शाम तक तलाश जारी रहा। इस घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। इस घटना से आहत परिजनों के घर पहुँचकर प्रधान लवकुश राजभर, पूर्व प्रधान सरोज शुक्ल व ग्रामवासियों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढाढस बंधाया। इस दौरान नायब तहसीलदार अमित कुमार, लेखपाल सत्यप्रकाश मौजूद रहे।

धनुष भंग की लीला देख हर्षित हुए श्रोता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन के श्री श्री रेलवे रामलीला समिति चोपन के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में गुरुवार की रात श्री शारदा आदर्श रामलीला मंडल मैहर के कलाकारों ने धनुष यज्ञ की लीला का सजीव मंचन किया। रामलीला के मंचन में भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग का दृश्य देख उपस्थित दर्शकों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। दर्शकों की तालियों और नारों से पंडाल गुंजायमान रहा। मंचन में कलाकारों ने अपनी अद्भुत अभिनय कला, संवाद शैली और भाव–भंगिमा से समूचे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर रामलीला समिति के अध्यक्ष राजन जायसवाल ने कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज को आदर्श जीवन जीने की सीख देने वाला मंच है। भगवान श्रीराम के चरित्र से हमें मर्यादा, सत्य और धर्म की प्रेरणा मिलती है। समिति लगातार प्रयासरत है कि नगर के लोगों को ऐसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ा जाए। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ ही भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समय पूर्व छात्रवृत्ति का उपहार कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्यमंत्री द्वारा शुक्रवार को छात्रवृत्ति वितरण समारोह कार्यक्रम के आयोजन का कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया, इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण–पत्र का वितरण लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, विधायक सदर भूपेश चौबे, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राबर्ट्सगंज रूबी प्रसाद, जिला पंचायत सदस्य चुर्क मोहन कुशवाहा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह भदौरिया, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री नरेन्द्र देव पाण्डेय, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित स्कूल के छात्र–छात्राओं ने मुख्यमंत्री के सम्बोधन का सजीव प्रसारण को देखा। इस दौरान स्कूल के छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण–पत्र का वितरण मा0 विधायकगण व जिलाधिकारी व नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा किया गया, इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा आज बच्चों को छात्रवृत्ति की धनराशि उनके खाते में हस्तान्तरित की गयी है, जिससे पुस्तक व शैक्षणिक सामग्री आदि की खरीदारी करते हुए पठन–पाठन के कार्य को करने में सहायता मिल सकेगी। जनपद में बेहतर शिक्षा ग्रहण करने से ही छात्र–छात्रा अच्छे अंक से उत्तीर्ण होंगे और जनपद का नाम रोशन करेंगे। इस दौरान मा0 विधायक

सदर श्री भूपेश चौबे ने छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा आज त्यौहार के पूर्व ही छात्र–छात्राओं के खाते में धनराशि हस्तान्तारित करने का कार्य किया गया है, छात्रवृत्ति योजना छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ताकि छात्र–छात्रा अपनी शिक्षा जारी रख सकें। यह योजना एस0सी0/ एस0टी0 / ओ0बी0सी0 / सामान्य और अल्पसंख्यक श्रेणियों के छात्रों के लिए प्री–मैट्रिक और पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान करती है, योग्य छात्र समाज कल्याण विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एन0एस0पी0) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के छात्र–छात्रा बेहतर शिक्षा प्राप्त कर समाज में बेहतर प्रमुख स्थान प्राप्त कर सकते है, उन्होंने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय के माध्यम से श्रमिक के बच्चों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करायी जा रही है, जिससे कि उनके जीवन में बेहतर सुधार होगा, प्रदेश सरकार बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु संकल्पित है। इस दौरान नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से धनराशि उपलब्ध करायी है, उसी प्रकार से प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति 5.0 अभियान प्रारंभ की है, जिससे कि बालिकाओं को समाज सुरक्षा के साथ ही बेहतर शिक्षा ग्रहण करने में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए थानों में महिला हेल्पलाईन डेस्क की भी स्थापना की गयी है। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने कहा कि छात्रवृत्ति योजना से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा ग्रहण करने में मदद करता है, स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या को कम करना और उन्हें प्रोत्साहित करना, शिक्षा के लिए सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करना है। इस योजना के लिए पात्रता–उत्तर प्रदेश के मूल निवासी छात्र, एस0सी0 / एस0टी0 / ओ0बी0सी0 / सामान्य और अल्पसंख्यक श्रेणियों के छात्रों को इस योजना द्वारा लाभान्वित किया जाता है। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण व अन्य सम्मानितगणों के प्रति आभार व्यक्त की। इस मौके पर सदर विधायक के प्रतिनिधि विकास मिश्रा, विधायक के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मौर्या सहित अन्य सम्मानितगण उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय हिंडालको यूनिट–2 में मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत बच्चों को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रेणुकूट के हिंडालको कॉलोनी स्थित प्राथमिक विद्यालय यूनिट–2 में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी पिपरी अमित कुमार द्वारा विद्यालय के बच्चों को सुरक्षा, अधिकारों तथा सहायता हेतु संचालित विभिन्न सरकारी अभियानों एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को महिला एवं बाल सुरक्षा, गुड टच–बैड टच, साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। इसके साथ ही 1090 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (बाल हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) जैसे टोल फ्री नंबरों के बारे में बताया गया और उन्हें इन नंबरों के उपयोग के प्रति प्रेरित किया गया। क्षेत्राधिकारी पिपरी ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य समाज में महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाना है और इस दिशा में स्कूली स्तर पर जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। विद्यालय प्रधानाचार्य, शिक्षकों व अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

पीएम स्वनिधि योजना से छोटे व्यापारी बन रहे आत्मनिर्भर– नपं अध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को पीएम स्वनिधि योजना के तहत पुनर्गठन लोक कल्याण मेला का आयोजन किया गया। इस क्रम में खाद्य कारोबारियों के लिए प्रशिक्षण एवं खाद्य सुरक्षा जागरूकता पंजीकरण कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। वहीं, नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इस योजना के माध्यम से लाभार्थियों को न केवल वित्तीय सहायता मिल रही है बल्कि उनके कारोबार को और सुरक्षित व सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाई देंगे । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी चौफ रामसुंदर पटेल ने लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि कारोबार की साख बनाए रखने में भी सहायक है। उन्होंने खाद्य कारोबारियों को पंजीकरण की अनिवार्यता, स्वच्छता के मानक तथा खाद्य पदार्थों के संरक्षण और तैयारी में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में सभासद नागेंद्र यादव, सुशील साहनी, लिपिक अंकित पांडे, मनोज शुक्ला, पंकज चौधरी, दीपक कुमार सहित नगर के कई लाभार्थी उपस्थित रहे।

धनुष यज्ञ व सीता स्वयंवर की लीलाओं ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगर के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला के पांचवें दिन नगर भ्रमण, फुलवारी, सीता स्वयंवर, धनुष–यज्ञ, राम–सीता विवाह, लक्ष्मण–परशुराम संवाद का संजीव मंचन किया गया। प्रयागराज से आए कलाकारों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। रामलीला की शुरुआत के दृश्य में दिखाया जाता है कि राजा जनक के पास भगवान शिव का दिव्य धनुष था। धनुष को एक जगह स्थापित किया गया था। उसे कोई नहीं हिला सकता था। एक दिन अपने घर में जमीन पर गोबर का लेप लगाने के दौरान जनक नंदिनी सीता ने धनुष को उस स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर रख दिया और वह अपना कार्य करने लगीं। सीता के इस रूप को देखकर

महाराजा जनक को बहुत ही आश्चर्य हुआ। तब उन्होंने सोचा कि इस पुत्री में कोई अलौकिक शक्ति है। राजा जनक ने निश्चय किया कि सीता का विवाह ऐसे पराक्रमी से किया जाएगा, जो भगवान शिव के पिनाक नामक धनुष को भंग करेगा। तभी जनकपुर में सीता के स्वयंवर का आयोजन किया जाता है। इसकी घोषणा सुनकर दूरदराज से पराक्रमी राजा धनुष यज्ञ में शामिल होते हैं। विश्वामित्र के साथ भगवान राम अपने छोटे भाई लक्ष्मण के साथ पहुंचते हैं। रंगमंच स्थल पर अनेक देश के राजाओं ने आकर स्वयंवर में धनुष उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई धनुष को हिला तक नहीं सका। राजा रावण भी धनुष यज्ञ में शामिल हुआ। वह सीता को स्वयंवर में प्राप्त नहीं कर सका। तब उसने कहा कि हे सीते एक दिन तुम्हें लंका जरूर ले जाऊंगा। जब कोई धनुष नहीं उठा सका तो राजा जनक चिंतित हो उठे। अंत में गुरु की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष को भंग कर दिया। धनुष टूटने के बाद माता सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वर माला डालती हैं। इस लीला को देख उपस्थित दर्शक भाव विभोर हो उठे। इस अवसर पर समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह ने रामलीला प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें भगवान श्री राम के पद चिन्हों पर चलते हुए उनके आचरण का अनुसरण करना चाहिए। रामलीला में प्रमुख रूप से समिति के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, डा धर्मवीर तिवारी, राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, आनंद मिश्रा, विजय कनोडिया, प्रशांत जैन, कीर्तन सिंह, संगम गुप्ता, मनोज जालान, मनीष खंडेलवाल, उमेश केसरी, चंदन केसरी, घनश्याम सिंघल, नरेंद्र गर्ग, विमल अग्रवाल, संतोष चौबे आदि मौजूद रहे।

शिविर में 256 मरीजों के नेत्र की जांच कर दी गई दवाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगर के लायंस क्लब कार्यालय में शुक्रवार को

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के चिकित्सकों ने करीब 256 मरीजों के नेत्र की जांच कर उन्हें आवश्यकतानुसार दवाएं व चश्मा वितरित किया। इस दौरान करीब 48 मरीजों को मोतियाबिंद के आपरेशन के चित्रकूट भेजा गया। जोन चेयरपर्सन राधिका सिंह ने बताया कि लायंस क्लब कार्यालय राबर्ट्सगंज में प्रत्येक माह निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में शुक्रवार को आयोजित इस शिविर में चिकित्सकों के द्वारा कुल 256मरीजों के नेत्र की जांच की गई। इस दौरान 62 मरीजों को निःशुल्क चश्मा वितरित किया गया। इसके अलावा अन्य मरीजों को आवश्यकतानुसार दवाएं दी गई। 48 मरीजों को मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया। उन्होंने बताया कि इस शिविर के माध्यम से 26 अगस्त 2025 तक 3878 मरीजों के मोतियाबिंद का निःशुल्क आपरेशन हो चुका है। इसके अलावा 7246 मरीजों के नेत्र की जांच कर उन्हें चश्मा व आवश्यक दवाएं दी गई है। इस मौके पर अध्यक्ष अजीत सिंह भंडारी, राधिका सिंह, हरीश अग्रवाल, दया सिंह, परमजीत कौर, विमल अग्रवाल, किशोरी सिंह, श्याम बाबू, मुकेश जायसवाल, अभय सिंह, हेमराज यादव, डा श्याम बाबू द्विवेदी, डा विक्रम सिंह, दीलिप कुमार कुशवाहा, दयाराम सिंह, कुंवर सिंह आदि मौजूद रहे।

मल्लिका–ए–गजल बेगम अख्तर की स्मृति में प्रतिभावान गायक 25 अक्टूबर, 2025 तक करें आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा मल्लिका–ए–गजल बेगम अख्तर की स्मृति में दादरा/ठुमरी/ गजल विधाओं में ऐसे प्रतिभावान गायक, जिसकी आयु 40 वर्ष से कम न हो, को बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है, जिसके अन्तर्गत चयनित कलाकार को 5 लाख रूपये की धनराशि एवं अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र भेंट स्वरूप प्रदान किया जाता है। बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्बन्धित मार्गदर्शी सिद्धान्त सम्बन्धी एवं आवेदन पत्र मुख्यालय में जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2025–26 में बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु पात्र महानुभावों के नामांकन निर्धारित प्रारूप पर 25 अक्टूबर, 2025 तक अवश्य उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे, जिससे नियमानुसार समिति द्वारा उनके नामों पर सम्यक विचार किया जा सके।

शारदीय नवरात्रिः मां भगवानी के पंचम स्वरूप स्कन्दमाता की हुई उपासना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन शुक्रवार को देवी मंदिरों में विधि विधान से मां भगवती के पंचम स्वरूप स्कन्दमाता की उपासना की गई। इस शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं ने सुनहरे रंग का वस्त्र धारण कर माता रानी को केला का भोग लगाया। पीले रंग का फूल, फल, नारियल–चुनरी चढ़ाकर अपने सुखी जीवन की याचना किया। इस दौरान जय माता दी के जयकारे से समूचा वातावरण भक्तिमय रहा। जिले के प्रमुख देवी मंदिरों में माता रानी के दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। नगर के अति प्राचीन शीतला मंदिर, काली मंदिर, मारकुंडी घाटी स्थित दुर्गा माता मंदिर में भक्तों ने कतारबद्ध होकर मां भगवती के श्री चरणों में शीश

नवाया। इसी तरह ढाला स्थित वैष्णों मंदिर, चोपन के काली मंदिर, शक्तिनगर के मां ज्वालामुखी मंदिर समेत जनपद के सभी प्रमुख देवी मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। मान्यता है कि शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन मां दुर्गा के स्कंदमाता स्वरूप की पूजा–अर्चना करने से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। स्कंदमाता अपने भक्तों के सभी काम बना देती हैं। असंभव से असंभव कार्य भी माता रानी के इस स्वरूप की पूजा करने से पूरे हो जाते हैं। स्कंदमाता की पूजा अर्चना करने से व्यक्ति को संतान सुख की प्राप्ति भी होती है। साथ ही व्यक्ति को सभी दुख–दर्द से छुटकारा मिलता है। मान्यता है कि भगवान शिव की अर्धांगिनी के रूप में मां ने स्वामी कार्तिकेय को जन्म दिया था। भगवान कार्तिकेय का दूसरा नाम स्कंद है, इसलिए मां दुर्गा के इस रूप को स्कंदमाता कहा जाता है।

मां स्कंदमाता को चार भुजाएं हैं। मां भगवान कार्तिकेय को अपनी गोद में लेकर शेर पर सवार रहती हैं। मां के दोनों हाथों में कमल है। उधर माता रानी के दर्शन–पूजन के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की लिहाज से पुलिस–फोर्स काफी चौकन्नी दिखी। एसपी अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मंदिरों के आस–पास पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। सादे वर्दी में भी महिला व पुरुष पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते दिखे।

नगर दर्शन व फुलवारी प्रसंग का मंचन देख श्रद्धालु हुए भाव बिभोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा बाजार में चल रहे रामलीला में बृहस्पतिवार को नगर दर्शन व फुलवारी लीला का मंचन हुआ। इस प्रसंग में लखन लाल के मन में इच्छा जागृत होती है नगर देखने की मुनि विश्वामित्र की आज्ञा लेकर दोनों भाई ने नगर भ्रमण किया। आज्ञा पाकर दोनों भाई नगर भ्रमण करते हुए पुष्प वाटिका में प्रवेश करते हैं। जहां गिरिजा पूजन हेतु जनक नंदनी मां जानकी सखियों के संग पूजा करने के लिए आती है। इसमें अयोध्या नरेश राजा दशरथ के पुत्र श्रीराम और लक्ष्मण के महर्षि विश्वामित्र के साथ जनकपुर नगर भ्रमण, गंगा स्नान, और फुलवारी का दृश्य दिखाया गया। इस प्रसंग में अपने गुरु महर्षि विश्वामित्र की आज्ञा से राम और लक्ष्मण राजा जनक के सुंदर बगीचे में प्रवेश करते ही बगीचे की सुंदरता देख दोनों राजकुमार मोहित हो जाते हैं। बगीचे में मां गिरिजा का अति सुन्दर मन भावन मंदिर है। यहां जनक नंदनी जानकी अपनी सखियों के संग पूजा करने के लिए आई हुई है। इस दौरान एक बावरी सखी राम और लक्ष्मण की सुंदरता को देखते ही देखती रह जाती है। वह जाकर सीता से प्रभु श्रीराम की सुंदरता का बखान करती है। यह सुनकर सीता जी के मन में भी राम को देखने की इच्छा जागृत होती है। सीता जी प्रभु राम के स्वरूप और सौंदर्य को देखते ही मोहित हो जाती है। वही स्थिति प्रभु श्रीराम के मन में भी पैदा होती है। दोनों कुछ देर तक दोनों एक–दूसरे को देखते हैं। इसके बाद मां गिरिजा का पूजन कर सीता जी अपने महल में लौट जाती है। वहीं श्री राम और लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र के आश्रम में चले जाते हैं।

दुष्कर्म के दोषी महेश को 10 वर्ष की कठोर कैद

25 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्तकैद भुगतनी होगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने और उसके साथ बलात्कार करने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी महेश को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 25 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 20 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में 12 जनवरी 2019 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को 8 जनवरी 2019 को शाम 7 बजे जब वह शौच के लिए गई थी तभी महेश पुत्र शिवनारायण निवासी मुबारकपुर, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने अपहरण की एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में महेश के विरुद्ध अपहरण,बलात्कार और पॉक्सो एक्ट में चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी महेश को 10 वर्ष की कठोर कैद एवं 25 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 20 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

वेतन कटौती से नाराज श्रमिकों ने डीएलसी को सौंपा पत्रक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा तापीय परियोजना के ईएसडी तृतीय में मेसर्स नीरज कंस्ट्रक्शन एवं अवर अभियन्ता के द्वारा कार्यरत

संविदा कर्मचारियों के तीन महीने मई, जून और जुलाई के वेतन में से प्रत्येक मजदूर 2500 रुपये हर महीने की गई अवैधानिक कटौती के संबंध में श्रमिकों ने उपश्रमायुक्त पिपरी को कार्रवाई के लिए पत्रक सौंपा है, जिसमें वेतन कटौती और छटनी पर रोक लगाने की मांग की गई है। इस बाबत ठेका मजदूर यूनियन के जिला उपाध्यक्ष तीरथराज यादव ने बताया कि ईएसडी तृतीय में कार्य कर रही कम्पनी द्वारा कार्यरत प्रत्येक मजदूर से 2500 रुपए प्रति माह कटौती की जा रही है। दरअसल अवर अभियन्ता और परियोजना प्रबंधन द्वारा संविदाकार के बिल से प्रत्येक महीना 20 हजार रुपया कटौती किया जा रहा है। इस कारण संविदाकार हर मजदूर से मई, जून और जुलाई के वेतन से 2500 रुपया काट ले रहा है। अगस्त माह के वेतन से भी 2500 रुपए की कटौती कर ली गई है, जो अवैधानिक है। जबकि मजदूर 26 दिन 8 घंटे की ड्यूटी कर रहा है। हालत इतनी बुरी है कि संविदाकार ने मजदूर क्रमशः राम आशीष यादव, राजकुमार यादव और रामनिवास को बिना कोई नोटिस और सूचना दिए काम से ही निकाल दिया है। ऐसी स्थिति में मजदूरों ने निवेदन किया कि प्रकरण को संज्ञान में लेकर ओबरा तापीय परियोजना के संविदाकार मेसर्स नीरज कंस्ट्रक्शन की अवैधानिक कार्रवाई पर रोक लगाकर कटौती की धनराशि को वापस कराने और काम से की गई अवैधानिक छटनी को समाप्त कर काम पर बहाल करने के लिए उचित आदेश देने का कष्ट करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

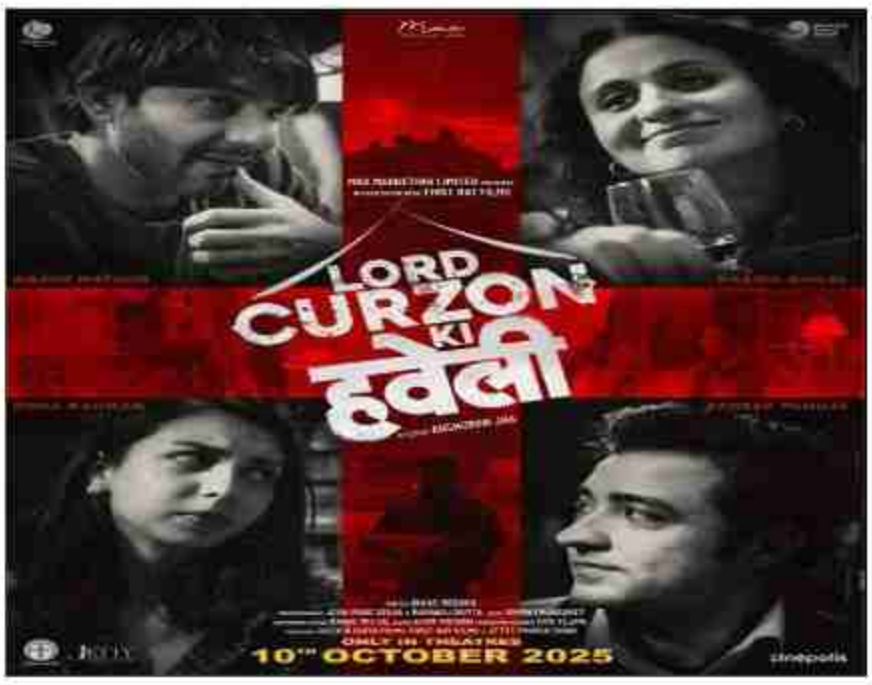

अंशुमन झा की फिल्म लार्ड कर्जन की हवेली की रिलीज तारीख का ऐलान, रसिका दुग्गल भी आएंगी नजर

मिर्जापुर वेब सीरीज में बीना त्रिपाठी के किरदार से मशहूर हुई एक्ट्रेस रसिका दुग्गल जल्द ही एक ब्लैक कामेडी फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का नाम है लार्ड कर्जन की हवेली। जानिए आप कब देख सकेंगे अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की यह फिल्म।

रसिका दुग्गल ने आज अपनी आगामी फिल्म लार्ड कर्जन की हवेली का एक शानदार पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। फिल्म के इस पोस्टर में फिल्म के मुख्य कलाकार नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर के साथ रसिका ने कैप्शन में लिखा, हिचकाक ने देसीस के साथ इस डिनर पार्टी के लिए हां में आरएसवीपी किया होगा लार्ड कर्जन की हवेली – 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में आ रही है।

ब्लैक–कामेडी लार्ड कर्जन की हवेली इस साल 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन अंशुमान झा ने किया है, जो उनकी पहली निर्देशित फिल्म है। इस फिल्म में अर्जुन माथुर, तन्मय धनानिया और परेश पाहुजा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म पूरी तरह से ब्रिटेन में एक ही लेंस से शूट की गई है। यह एक रहस्यमयी और मजेदार कहानी है, जिसमें कामेडी, थ्रिलर और पहचान जैसे विषयों को दर्शाया गया है। रसिका ने बताया कि फिल्म का प्रीमियर मेलबर्न में हुआ था और इसे कई फिल्म समारोहों में दर्शकों ने खूब पसंद किया। खास तौर पर शिकागो में दर्शकों के साथ इसे देखने का अनुभव उन्हें बहुत अच्छा लगा। फिल्म का निर्माण गोल्डन रेशियो फिल्म्स और फर्स्ट रे फिल्म्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म को मैक्स मार्केटिंग लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है।

एक्टर संजय बिश्नोई ने रसिका की इस पोस्ट पर क्लैप इमोजी शेयर किया है। वहीं रसिका के फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक फैन ने लिखा, अरे वाह नया वाला.. बहुत अच्छा लग रहा है. इसे देखने के लिए उत्साहित हूं. एक और फैन ने लिखा, वाह, यह तो बहुत बढ़िया है. हवेली के लिए शुभकामनाएं।

सनी लियोनी ने की भारत की पहली एआई फीचर फिल्म कौर वर्सेज कोर का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठ गया पर्दा

बालीवुड की फेमस एक्ट्रेस सनी लियोनी एक एआई फिल्म बना रही हैं. जिसमें वह लीड रोल में नजर आने वाली हैं. सनी की फिल्म का नाम कौर वर्सेज कोर है. इस फिल्म को पैपराजी एंटरटेनमेंट कंपनी के बैनर तले बनाया जा रहा है और मेकर्स ने इस फिल्म को भारत की पहली एआई फीचर फिल्म कह रहे हैं. सनी इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं. एक किरदार इंसानी सुपर हीरो का होगा और दूसरा एआई अवतार होगा.

हाल ही में सनी ने एक इंटरव्यू में पूछा गया कि डायरेक्टर अनुराग कश्यप एआई सिनेमा को नापसंद करते हैं. इसपर उनका क्या कहना है. सनी ने इसका जवाब देते हुए बताया कि टेक्नोलाजी शक्ति है और अगर आपको किसी चीज के बारे में जानकारी है तो आप चीजों को समझेंगी. इस तरह का सिनेमा इंडस्ट्री के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है. मुझे यकीन है कि इससे लोगों को ज्यादा नौकरियां मिलेंगी. साथ ही फिल्मों को एक अलग दिशा में लाया जा सकेगा.

वहीं सनी लियोनी ने आगे बताया कि अगर अनुराग सर यहां बैठे होते तो मैं चाहती कि वो मेरी बात को समझें और शायद मैं उन्हें बदल पाती. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक इंसान के बारे में एक प्यारी बात ये है कि हमारी अपनी फिलासफी है और जिस तरह से हम जिंदगी को देखते हैं वो दूसरों से बहुत अलग है और ये सब ठीक है.

सनी लियोनी से इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या इंडियन आडियंस इस तरह के एआई कंटेंट के लिए तैयार है. इस पर सनी ने कहा कि हम अपने आडियंस को पूरा क्रेडिट नहीं देते और मानते हैं कि ये उन्हें पसंद नहीं आएगा. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर दिन कंटेंट कंज्यूम कर रहे हैं. कोविड ने जो किया वो ये है कि हम कैसे कंटेंट कंज्यूम करते हैं और उनकी दुनिया बनाना, जो पहले से ही बहुत अलग है. बता दें कि सनी लियोनी की एआई फिल्म अलगे साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक होगी.

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की थामा के ट्रेलर को लेकर आया अपडेट, नया पोस्टर आउट

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म थामा को लेकर काफी बज बना हुआ है। फैंस फिल्म के बारे में छोटी सी छोटी अपडेट तक जानना चाह रहे हैं। अब जबसे मेकर्स ने 26 सितंबर को फिल्म का ट्रेलर रिलीज करने की घोषणा की है, तब से फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। अब आज मेकर्स ने फिल्म का एक और नया पोस्टर जारी किया है।

थामा के ट्रेलर को लेकर मेकर्स ने दर्शकों में काफी उत्साह बढ़ा दिया। मेकर्स ट्रेलर लान्च इवेंट को ग्रैंड बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। अब मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज से एक दिन पहले फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आयुष्मान और रश्मिका दोनों ही नजर आ रहे हैं। पोस्टर में रश्मिका इंटेंस लुक में दिख रही हैं, जबकि आयुष्मान डरे हुए से रश्मिका के कंधों पर सवार हैं। कंधे पर बैग टांगे आयुष्मान काफी घबराए हुए लग रहे हैं। आसपास में पेड़ और जंगल नजर आ रहा है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, स्त्री आएगी और धम्माके वाली न्यूज लाएगी। थामा के ट्रेलर की गिनती शुरू, सिर्फ एक दिन है बाकी।

इसके अलावा मेकर्स ने दो और पोस्टर जारी किए हैं, जो थामा के ट्रेलर से संबंधित हैं। इनमें एक पोस्टर में स्त्री नजर आ रही है। इसके साथ लिखा गया है, ओ स्त्री कल आना। दूसरे पोस्ट और पोस्टर में जंगल दिख रहे हैं। इस पर स्त्री को ही संबोधित करते हुए लिखा है, अपने साथ साल की सबसे बड़ी, खूनी और उत्साहजनक खबर लाना।

इससे एक दिन पहले मेकर्स ने बताया था कि 26 सितंबर को साल की मच अवेटेड फिल्म थामा का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। ये ट्रेलर एक बड़े इवेंट के दौरान बांद्रा फोर्ट पर शाम पांच बजे रिलीज किया जाएगा। थामा की कास्ट की बात करें तो फिल्म में आयुष्मान और रश्मिका के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेश रावल और फैसल मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित थामा इस साल दीपावली पर रिलीज होनी है।

स्लीवलेस ड्रेस में दिशा पाटनी ने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड में अपने बोल्ड फिगर और स्टनिंग ड्रेसिंग सेंस को लेकर अक्सर इंटरनेट पर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस दिशा पाटनी आए दिन अपने ग्लैम लुक से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट

बटोरती रहती हैं। दिशा पाटनी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर अपना प्यार लुटाते हैं। अभिनेता दिशा पाटनी ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेत्री ने स्लीवलेस ड्रेस में कई सिजलिंग पोज दिए हैं। दिशा की तस्वीरों पर कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। तस्वीरों पर कमेंट करते हुए मौनी रॉय ने लिखा परी। एक दूसरे यूजर ने उन्हें परफेक्ट बताया है। दिशा 12 दिसंबर को सुर्खियों में आई थी। अज्ञात हमलावारों ने उनके घर पर गोलीबारी की थी। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। दिशा पाटनी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपने स्टनिंग फैशन और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस से फैंस का दिल जीत लेती हैं। फैंस समेत कई बॉलीवुड स्टार्स उनकी तस्वीरों को देख कर लाइक्स और कमेंट्स के जरिए अपना प्यार दिलखोलकर लूटा रहे हैं। एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस दिशा को इंस्टाग्राम पर 54 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है सहजन, लेकिन इन 5 लोगों को नहीं खाना चाहिए

सहजन एक ऐसी सब्जी है, जो कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। यह विटामिन–स्ट, विटामिन–, कैल्शियम, पोटेशियम और आयरन का बेहतरीन स्रोत मानी जाती है। इसके सेवन से शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूती मिलती है और यह कई बीमारियों से राहत दिलाने में सहायक होता है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सहजन का सेवन नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किन लोगों को सहजन नहीं खाना चाहिए।

कम रक्तचाप वाले लोग

अगर किसी व्यक्ति का रक्तचाप पहले से ही कम है तो उसे सहजन नहीं खानी चाहिए। दरअसल, सहजन में मौजूद तत्व कम रक्तचाप वालों के लिए खतरा बन सकते हैं। ये तत्व रक्तचाप को और कम कर सकते हैं, जिससे व्यक्ति को चक्कर आने या बेहोश होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए कम रक्तचाप वाले लोग सहजन का सेवन करने से बचें।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं के लिए भी सहजन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं होते हैं। इसके अलावा इसमें सूजन कम करने वाले गुण भी होते हैं, जो गर्भावस्था के दौरान समस्या पैदा कर सकते हैं। इसलिए डाक्टर गर्भवती महिलाओं को सहजन का सेवन न करने की सलाह देते हैं।

गैस्ट्रिक अल्सर से पीड़ित लोग

गैस्ट्रिक अल्सर एक ऐसी समस्या है, जिसमें पेट की दीवारों में घाव हो जाते हैं। इस स्थिति में पेट का एसिड पेट की दीवारों को नुकसान पहुंचाता है और दर्द, जलन और अन्य कई समस्याओं का कारण बनता है। इस समस्या से ग्रस्त लोगों को भी सहजन का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद तत्व पेट के एसिड के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

दिल की बीमारी वाले लोग

अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही किसी तरह की दिल की बीमारी है तो उसे भी सहजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इसमें मौजूद तत्व रक्तचाप को कम कर सकते हैं, जिससे दिल की धमनियों पर दबाव पड़ता है और स्थिति गंभीर हो जाती है। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद तत्व दिल की धमनियों को और पतला कर सकते हैं, जिससे रक्तचाप और भी कम हो जाता है।

मधुमेह रोगी

मधुमेह रोगियों के लिए भी सहजन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि इसमें मौजूद तत्व ब्लड शुगर के स्तर को कम कर सकते हैं, जिससे व्यक्ति को कम शक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व मधुमेह के लिए सुरक्षित नहीं माने जाते हैं। इसलिए जिन लोगों को मधुमेह है उन्हें सहजन का सेवन करने से बचना चाहिए।